पौष शुक्ल पक्ष 6 संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 173 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

26 दिसंबर 2025 शुक्रवार

आज का मौसम

23.7 अधिकतम

7.1 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जवानों की सेवा करने वाला फिरोजपुर का श्रवण भी शामिल

क्रिकेटर वैभव सहित 20 बच्चों को राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

नईदिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियां हासिल करने वाले बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया।वीर बाल दिवस के मौके पर राष्ट्रपति ने आज 20 बच्चों को 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' से सम्मानित किया। इन बच्चों को 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से चुना गया है। इन बच्चों में भारत के युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी शामिल हैं जो हर बदलते दिन के साथ नई उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। सिर्फ 14 साल की उम्र में ही वैभव ने क्रिकेट की दुनिया में तहलका मचा दिया है और कई रिकॉर्ड अपने नाम लिखवा लिये हैं। क्रिकेट पिच पर उनकी इस शानदार सफलता के लिए ही अब उन्हें भारत सरकार की ओर से भी सम्मानित किया गया है। वैभव सूर्यवंशी को देश के सबसे बड़े बाल पुरस्कार, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से नवाजा गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एक खास कार्यक्रम में बिहार के इस होनहार बल्लेबाज को अपने हाथों से ये अवॉर्ड दिया। राष्ट्रीय बाल पुरस्कार पाने वाले बच्चों में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बॉर्डर पर जवानों को चाय-नाश्ता देने वाले फिरोजपुर के श्रवण सिंह भी शामिल हैं। वीर बाल दिवस गुरु गोविंद सिंह के चार बेटों की शहादत के सम्मान में आयोजित किया जाता है। गुरु गोविंद सिंह के तीन पत्नियों से चार बेटे थे, जिनका नाम अजीत, जुझार, जोरावर और फतेह था। इन्हें साहिबजादे भी कहा जाता है। 26 दिसंबर 1705 को चारों बेटों की मुगल सेना ने हत्या कर दी थी। उनकी शहादत का सम्मान करने के लिए पीएम मोदी ने 2022 में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने की घोषणा की थी। इस पुरस्कार समारोह में शामिल होने के कारण वैभव सूर्यवंशी विजय हजारे ट्रॉफी के बचे हुए मैचों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। हालांकि, टूर्नामेंट के पहले ही मैच में उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा था।

न्यूज विंडो

जयपुर के चोमू में तनाव, भीड़ ने पुलिस पर किया पथराव

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान की राजधानी जयपुर के चोमू में अचानक हिंसा भड़क उठी। यहां एक धार्मिक स्थल के पास पड़े पत्थरों को उठाने को लेकर दो समुदायों के बीच बवाल मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले को शांत कराने की कोशिश की, लेकिन इस विवाद ने इतना विकराल रूप ले लिया कि भीड़ ने पुलिस पर ही पत्थरबाजी शुरू कर दी। इस घटना में कई पुलिस वाले घायल हो गए। चौमू में इस समय भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और स्थिति कंट्रोल में भी आ गई है।

टोरंटो यूनिवर्सिटी के पास भारतीय छात्र की हत्या

कनाडा, एजेंसी। टोरंटो शहर में यूनिवर्सिटी ऑफ टोरंटो स्कारबोरो परिसर के पास गोलीबारी में 20 साल के एक भारतीय छात्र शिवांक अवस्थी की मौत हो गई। यह

घटना टोरंटो में भारतीय नागरिकों से जुड़ी दूसरी गंभीर हिंसक वारदात के कुछ ही दिनों बाद सामने आई है। इससे पहले हाल ही में 30 वर्षीय भारतीय मूल की महिला हिमांशी खुराना की भी हत्या कर दी गई थी। पुलिस इस मामले में टोरंटो निवासी अब्दुल गफूरी की तलाश कर रही है। उनकी मौत पर टोरंटो स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने गहरा शोक व्यक्त किया है। शिवांक भारत से जाकर वहां पीएचडी कर रहे थे। भारतीय दूतावास ने एक्स पर बयान जारी कर इस घटना पर शोक जताया है।

एपस्टीन मामले को ट्रंप ने बताया वामपंथी साजिश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्रिसमस के दिन सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में फिर से बदनाम यौन तस्कर जेफ्री एपस्टीन विवाद पर अपनी बात रखी। ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा, जेफ्री एपस्टीन से जब सभी लोग अपने संबंध तोड़ रहे थे, उससे बहुत पहले ही उन्होंने, एपस्टीन से नाता तोड़ लिया था। एक लंबी चौड़ी पोस्ट में ट्रंप ने राजनीतिक विरोधियों और मीडिया संस्थानों पर भी उन्हें बदनाम करने की साजिश रचने का आरोप लगाया।

राहुल पर विदेशों में रखी जाती है नजर : सैम पित्रोदा

नई दिल्ली, एजेंसी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने राहुल गांधी के विदेश दौरे को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के विदेश दौरे के दौरान भारतीय दूतावास के अधिकारी उन पर नजर रखते हैं और कई बार विदेशी नेताओं से उन्हें न मिलने को कहा जाता है। एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू के दौरान सैम पित्रोदा ने राहुल गांधी के जर्मनी दौरे को लेकर सत्ता पक्ष के आरोपों को खारिज करते भारत में लोकतंत्र की स्थिति, संस्थानों के कथित वेपनाइजेशन समेत कई संवेदनशील मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी।

आज का कार्टून

जमात-ए-इस्लामी और नेशनल सिटीजन पार्टी के बीच सहमति के आसार

बिगड़े हालात के बीच बांग्लादेश चुनाव में एक हो सकती हैं भारत विरोधी ताकतें

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में फरवरी में होने वाले 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव के लिए राजनीतिक दलों में गठबंधन की कोशिशें शुरू हो गई हैं। चुनाव पूर्व गठबंधन के लिए जमात-ए-इस्लामी और नेशनल सिटीजन पार्टी के बीच बातचीत चल रही है। माना जा रहा है कि गठबंधन करने पर सहमति तकरीबन बन चुकी है। फिलहाल दोनों दलों में सीट शेयरिंग को लेकर चर्चा हो रही है। खास बात यह है कि ये दोनों ही दल अपने भारत विरोधी रुख के लिए जाने जाते हैं। जमात-ए-इस्लामी का बांग्लादेश में पाकिस्तान के पिट्ठू के तौर पर काम करने और भारत विरोध का दशकों पुराना इतिहास रहा है। वहीं एनसीपी का गठन बीते साल शेख हसीना के खिलाफ आंदोलन करने वाले छात्र नेताओं ने किया है। इस दल के नेता भी शुरुआत से ही भारत के खिलाफ बयानबाजी करते रहे हैं। प्रोथोमोलो की रिपोर्ट के मुताबिक, बीते साल नई बनी पार्टी एनसीपी किसी पुराने राजनीतिक दल के साथ मिलकर चुनाव लड़ना चाहती है। पार्टी नेताओं ने इसके लिए पहले बीएनपी से गठबंधन की कोशिश की लेकिन सीट बंटवारे पर बात अटक गई। इसके बाद जमात से पार्टी ने संपर्क किया और इस बार बातचीत सकारात्मक रूप से आगे बढ़ी है।

जल्द हो सकता है गठबंधन का एलान

रिपोर्ट में कहा गया है कि एनसीपी का एक धड़ा जमात के साथ गठबंधन के विरोध में है। इस धड़े का कहना है कि तारिक रहमान के बांग्लादेश लौटने के बाद एक बार फिर बीएनपी के साथ बातचीत करनी चाहिए। हालांकि बीएनपी की ओर से सकारात्मक संदेश ना मिलने की वजह से जमात से ही गठबंधन होता दिख रह है, जिसका ऐलान आने वाले दिनों में हो सकता है। एनसीपी नेताओं ने कहा कि पार्टी की टॉप लीडरशिप ने सीट-शेयरिंग को लेकर जमात के सीनियर नेताओं के साथ बातचीत कर ली है। बताया जा रहा है कि हृष्टक्कने शुरू में 50 सीटों की मांग की थी लेकिन बातचीत के बाद 30 सीटों पर सहमत हो गई। बाकी सीटों पर पार्टी उम्मीदवार नहीं उतारेगी।

गैर-मुसलमानों पर हो रहा है अकल्पनीय अत्याचार- शेख हसीना

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर जमकर हमला बोला और उस पर गैर-मुसलमानों के खिलाफ अकल्पनीय अत्याचार करने का आरोप लगाया। अवामी लीग प्रमुख 78 वर्षीय हसीना ने कहा कि अवैध रूप से सत्ता हासिल करने वाली यूनुस सरकार में धार्मिक अल्पसंख्यकों को बेरहमी से मार डालने जैसी भयावह घटनाएं सामने आ रही हैं। हसीना ने क्रिसमस के मौके पर दिए संदेश में यूनुस सरकार पर सभी धर्मों और समुदायों के लोगों के अपने-अपने धर्मों का पालन करने की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अंतरिम सरकार खासतौर पर गैर-मुसलमानों के खिलाफ अकल्पनीय अत्याचार कर रही है। उसके शासन में धार्मिक अल्पसंख्यकों को बेरहमी से मार डालने जैसी भयावह घटनाएं भी सामने आई हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि बांग्लादेश की जनता इस काले दौर को और अधिक समय तक जारी नहीं रहने देगी।

नाइजीरिया पर हमला

ट्रंप बोले - मरने वालों को क्रिसमस की बधाई

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका ने गुरुवार रात नाइजीरिया में आतंकी संगठन आईएसआईएस के ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ किया कि अमेरिका 'कट्टर इस्लामी आतंकवाद को पनपने नहीं देगा।' पोस्ट के अंत में ट्रम्प लिखा- सभी को क्रिसमस की बधाई, मारे गए आतंकियों को भी। अगर ईसाइयों की हत्याएं जारी रहीं, तो आगे और भी आतंकी मारे जाएंगे।राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। ट्रम्प का आरोप है कि यहां आईएसआईएस ईसाइयों को निशाना बनाकर बेरहमी से हत्या कर रहा है। उन्होंने आईएसआईएस आतंकियों को 'आतंकी कचरा' बताते हुए लिखा कि यह संगठन लंबे समय से निर्दोष ईसाइयों की हत्या कर रहा है। ट्रम्प के मुताबिक इस ऑपरेशन में अमेरिकी सेना ने कई परफेक्ट स्ट्राइक कीं।

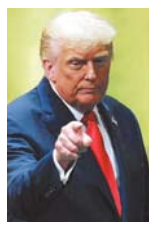

गुरु गोबिंद सिंह जी के इतिहास को पाठ्यक्रम में करेंगे शामिल: सीएम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने साहबजादों के बलिदान दिवस पर हमीदिया रोड स्थित गुरुद्वारा पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी ने मानवता की सेवा कर दुनियाभर में भारत का मान बढ़ाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस शासकीय स्तर पर मनाया जा रहा है। गुरु गोबिंद सिंह जी के इतिहास को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने भोपाल में गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व के बड़े आयोजन के लिए राज्य सरकार द्वारा हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रथम गुरु नानक देव जी ने उज्जैन की यात्रा भी की थी। गुरुजी ने सदैव मानवता का मार्ग दिखाया है। उनके आदर्श हमारे लिए प्रेरणा और आदर के स्रोत रहेंगे।

प्रदेश में पचमढ़ी सबसे ठंडा 4.2°

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में कड़ाके की ठंड के साथ कोहरे का असर लगातार बना हुआ है। प्रदेश के इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी में आज सुबह पत्तों पर ओस की बूंदें जम गईं। यहां रात का न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा। भोपाल, मंडला, रीवा, सतना, पचमढ़ी, दतिया, धार, गुना, ग्वालियर, इंदौर, उज्जैन, खजुराहो, नौगांव, अशोकनगर, झाबुआ, खंडवा, शाजापुर और सीहोर समेत कई जिलों में सुबह घना कोहरा छाया रहा। कोहरे के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ और सड़कों पर विजिबिलिटी कम होने से वाहन चालकों को लाइट जलाकर चलना पड़ा।

लाइव शो में भारी हंगामा, बैरिकेड्स पर चढ़े प्रशंसक

फैंस से बोले कैलाश खेर- आप जानवरों जैसा व्यवहार कर रहे

ग्वालियर, एजेंसी

पद्मश्री सिंगर कैलाश खेर के लाइव कॉन्सर्ट में यहां बीती रात भारी हंगामा हुआ। भीड़ इतनी बेकाबू हो गई कि बैरिकेड तोड़कर स्टेज तक सिंगर के नजदीक पहुंच गई। इस हंगामे के बाद सिंगर को अपना कॉन्सर्ट बीच में ही रोकना पड़ा। कैलाश खेर काफी नाराज हो गए और उन्होंने स्टेज से ही माइक पर बोलते हुए भीड़ से शांत होने की अपील की। उन्होंने कहा, 'अगर कोई हमारे पास या फिर हमारे उपकरणों के पास आया तो हम शो को बंद कर देंगे। हमने आप लोगों की बहुत तारीफ की थी लेकिन इस समय आप सभी जानवरों की तरह व्यवहार कर रहे हैं।' लोगों से अपील करने के बाद कैलाश खेर कॉन्सर्ट में मौजूद पुलिस अधिकारियों से भी स्थिति को संभालने के लिए बोलते दिखाई दिए। कॉन्सर्ट में इतने लोग आ गए थे कि मैदान में भीड़ समा ही नहीं पाई और बेकाबू हो गई और लोगों ने हंगामा कर दिया। शो ग्वालियर में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी की जयंती पर आयोजित किया गया था।

मेट्रो एंकर

नया परिसर बनने के बाद आस्था और दान दोनों में लगातार हो रही है वृद्धि

महाकाल को एक अरब का दान, 13 करोड़ के आभूषण मिले

उज्जैन, एजेंसी

महाकाल लोक बनने के बाद उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की आस्था और दान दोनों में लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है। देश-विदेश से आने वाले भक्त अब पहले से कहीं अधिक संख्या में भगवान महाकाल के दर्शन कर रहे हैं और दिल खोलकर दान भी कर रहे हैं। महाकाल लोक बनने से पहले मंदिर में प्रतिदिन 40 से 50 हजार श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते थे, लेकिन अब यह संख्या बढ़कर रोजाना करीब डेढ़ से दो लाख श्रद्धालुओं तक पहुंच गई है। बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालु सोना-चांदी के साथ-साथ नगदी भी दान कर रहे हैं।

महाकाल मंदिर में बीते 11 महीनों में 5.50 करोड़ श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। इस दौरान भक्तों ने करीब 13 करोड़ रुपए मूल्य का सोना-चांदी दान किया है, जबकि नकद दान के रूप में 43 करोड़

43 लाख रुपए मंदिर समिति को प्राप्त हुए हैं। इस वर्ष 1 जनवरी से 15 दिसंबर तक कुल 5.5 करोड़ श्रद्धालु महाकाल मंदिर दर्शन के लिए पहुंचे। मंदिर परिसर में विभिन्न स्थानों पर लगी दान पेटियों से महाकाल मंदिर समिति को 43 करोड़ 43 लाख रुपए का दान प्राप्त हुआ है। वहीं शीघ्र दर्शन व्यवस्था से मंदिर समिति को करीब 64 करोड़ 50 लाख रुपए की आय हुई है।

डेढ़ किलो सोना, 600 किलो चांदी

महाकाल मंदिर में एक जनवरी 2025 से लेकर पंद्रह दिसंबर 2025 तक के बीच में श्रद्धालुओं ने 592.366 किग्रा चांदी और 1483.621 ग्राम सोना बाबा महाकाल को दान किया है। दान आए आभूषणों में सोने की कीमत करीब 1 करोड़ 82 लाख रुपए तो चांदी की कीमत 11 करोड़ 85 लाख रुपए के आसपास है। महाकाल मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं ने एक वर्ष से भी कम समय में 13 करोड़ रुपए से अधिक के तो सिर्फ आभूषण ही दान कर दिए।

नए साल के पहले आएगी भारी भीड़

इस बार भेंट पेटी और शीघ्र दर्शन से महाकाल मंदिर को 11 माह 15 दिन में 107 करोड़ 93 लाख रुपए की आय हुई है। अभी साल का आखरी सप्ताह चल रहा है जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। महाकाल मंदिर में अन्य स्त्रोतों से होने वाली आय जैसे भस्म आरती बुकिंग, अभिषेक पूजन की आय, अन्न क्षेत्र, धर्मशाला बुकिंग फोटोग्राफी मासिक शुल्क, भांग एवं ध्वजा बुकिंग से होने वाली आय गणना में शामिल नहीं है।

5.5 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे

भक्तों ने वर्ष 2024 में इस वर्ष की तुलना में सोना अधिक दान किया था। इस वर्ष चांदी पिछले वर्ष की तुलना में अधिक दान में मिली है। महाकाल मंदिर के सहायक प्रशासक आशीष फलवाड़िया ने बताया कि एक जनवरी से दिसंबर माह के शुरुआत तक मंदिर में अब तक पांच करोड़ पचास लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच चुके है। 27 दिसंबर से 31 जनवरी तक करीब 6 लाख श्रद्धालुओं के मंदिर में पहुंचने की संभावना है।

रेलवे स्टेशन पर गंदगी का अंबार

भोपाल। रेलवे स्टेशन बदहाली की तस्वीर पेश कर रहा है। स्टेशन के प्लेटफार्मों पर फैली गंदगी, जगह-जगह कचरे के ढेर और दुर्गंध ने रेलवे प्रशासन के स्वच्छता अभियानों की पोल खोलकर रख दी है। यात्रियों का कहना है कि प्लेटफार्मों पर नियमित सफाई नहीं होने से हालात दिन-प्रतिदिन खराब होते जा रहे हैं। खाने-पीने के स्टॉल के आसपास गंदगी जमा रहती है, वहीं शौचालयों की हालत भी बदतर बनी हुई है। गंदगी के कारण यात्रियों को न सिर्फ असुविधा का सामना करना पड़ता है, बल्कि संक्रमण और बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। सबसे गंभीर बात यह है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद रेलवे प्रशासन इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। 'स्वच्छ भारत अभियान' और 'स्वच्छ रेलवे' जैसे दावों के बीच भोपाल रेलवे स्टेशन की यह स्थिति सवाल खड़े करती है। यात्रियों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि प्लेटफार्मों की नियमित सफाई, कचरा निस्तारण की उचित व्यवस्था और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए।

न्यू ईयर पर वन्य प्राणी कोर एरिया में होटल्स रेस्तरां में लाउडस्पीकर और डीजे नहीं बजेंगे

लकड़ी के अलाव भी नहीं जलेंगे

वन्य प्राणियों की सुरक्षा के मद्देनजर अब टाइगर रिजर्व, नेशनल पार्क और वाइल्ड लाइफ सेंचुरी के आसपास के इलाकों में लकड़ी के अलाव नहीं जलेंगे। वन विभाग के प्रधान मुख्य वन संरक्षक वाइल्ड लाइफ शुभ रंजन सेन ने प्रदेश के सभी टाइगर रिजर्व, नेशनल पार्क व वन्य प्राणी अभयारण्य के लिए जारी निर्देश में कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के परिपालन में यह आदेश दिया जा रहा है। इसमें कहा गया है कि ईको सेंसिटिव जोन में होटल, रिसोर्ट और बिजनेस सेंटर्स में लकड़ी के अलाव नहीं जलाए जा सकेंगे। यहां लकड़ी जलाने पर पूरी तरह मनाही है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद कॉमर्शियल उपयोग के लिए फायर वुड जलाने पर स्पष्ट रूप से प्रतिबंध लगाया गया है। इसमें पर्यटकों के नाम पर व्यवसायिक सेंटर में होने वाले आयोजनों में अलाव भी प्रतिबंधित रहेगा। किचिन में भी लकड़ी का उपयोग नहीं किया जाएगा। क्रिसमस और न्यू ईयर के मौके पर टाइगर रिजर्व, नेशनल पार्क के आस-पास बने होटल-रिसोर्ट में विशेष आयोजन रखे जाते हैं, पार्टियों का आयोजन होता है। इसमें अलाव भी खूब जलाए जाते हैं।

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

न्यू ईयर के पहले 31 दिसम्बर को प्रदेश के शहरों में बार और शोर गुल वाले कार्यक्रमों को लेकर जहां आबकारी और पुलिस विभाग के अफसर तैयारियों में जुट गए हैं, वहीं वन विभाग ने तय किया है कि टाइगर रिजर्व के आस-पास मौजूद होटल्स और रेस्तरां में जाकर डीजे, लाउड स्पीकर और ड्रम्स के शोर के बीच पार्टी मनाने वालों को रोका जाए। इसके पहले टाइगर रिजर्व में मोबाइल पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर वन्य प्राणी सुरक्षा के मद्देनजर वन विभाग ने सख्ती दिखाते हुए सभी टाइगर रिजर्व प्रमुखों को निर्देशित किया है कि इसका कढ़ाई से पालन कराया जाए ताकि टाइगर और अन्य वन्य प्राणियों के रहवास में शोर के कारण कोई खलल नहीं पड़े। वन विभाग की वन्य प्राणी शाखा ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर टाइगर रिजर्व के पास बने होटल्स, रिसार्ट्स में न्यू ईयर पार्टी में डीजे, ड्रम और अन्य तेज आवाज वाहन यंत्र बजाने पर रोक लगा दी है। वन्य प्राणी शाखा के पीसीसीएफ शुभरंज सेन ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने टाइगर रिजर्व के वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए साइलेंस जोन बनाने के आदेश दिए हैं। इसके चलते ही यह प्रतिबंध लगाया गया है। सेन बताते हैं कि हालांकि यह पहली बार नहीं है। हर साल ही और हमेशा ही सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पालन में इसका ध्यान रखा जाता है लेकिन नवम्बर में सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर एक बार फिर अपना आदेश दोहराया है, इसलिए इसे सख्ती से लागू करने के लिए कहा गया है ताकि शोर-शराबे के कारण रात में वन्य जीवों को दिक्कत का सामना नहीं करना पड़े।

गांधी भवन में जैविक भारत की झलक

कृषि विशेषज्ञों और स्वयंसेवी संगठनों ने लिया हिस्सा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गांधी भवन में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय गांधी जैविक उत्सव का बुधवार को समापन हुआ। उत्सव में देश के विभिन्न राज्यों से आए किसानों, कृषि विशेषज्ञों और स्वयंसेवी संगठनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। जैविक उत्पादों, मोटे अनाज (मिलेट्स), पारंपरिक देशज व्यंजनों और हस्तशिल्प को पहचान दिलाने और उनके प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से आयोजित इस आयोजन में बड़ी संख्या में स्टॉल लगाए गए। उत्सव में जैविक उत्पादों से जुड़ी स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ-साथ विकास संवाद का साहित्य, बीज और जैविक खेती से संबंधित जानकारियों के स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र रहे।

किसानों ने अपने अनुभव साझा किए और जैविक खेती को आर्थिक रूप से टिकाऊ बनाने पर चर्चा की। उत्सव के अंतिम दिन तीन प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए गए। सुबह किसानों का संवाद सत्र हुआ, जिसमें किसानों ने जैविक खेती के अपने प्रयोगों, चुनौतियों और सफलताओं को साझा किया। इसके बाद ग्राम पर्यटन पर केंद्रित कार्यक्रम हुआ, जिसमें जेपी दीवान, परीक्षित सिंह, राजेश बादल और सुधीर सक्सेना शामिल रहे। इसके पश्चात दयाराम रामदेव की जीवन गाथा पर आधारित पुस्तक 'बीते दिनों की बीती यादें' का विमोचन किया गया। इस अवसर पर विजय दत्त श्रीधर, रघु ठाकुर, कवि दुष्यंत कुमार के पुत्र आलोक त्यागी, आर.के. पालीवाल, सचिन जैन, दमयंती पानी, राकेश दीवान, सुधीर सक्सेना, जेपी दीवान, प्रेम नारायण मिश्रा और राजेश बादल उपस्थित रहे। हर माह आयोजन का निर्णय उत्सव का समापन सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर गांधी भवन न्यास के सदस्यों ने घोषणा की कि जैविक खेती, स्वदेशी उत्पादों और गांधी विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए ऐसे आयोजनों को अब हर महीने नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना का उन्मुखीकरण कार्यक्रम

स्वयंसेवकों को सकारात्मक दृष्टिकोण रखना चाहिए

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी (स्वशासी) महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अतिथि बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की रासेयो कार्यक्रम समन्वयक अनंत कुमार सक्सेना, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल की राष्ट्रीय सेवा योजना मुक्त इकाई के कार्यक्रम अधिकारी राहुल सिंह परिहार उपस्थित थे।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.ए. के सिंह,निदेशक डॉ. डी. के. दुबे , वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ.बी.डी पांडे की उपस्थिति में कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यस्र5म की शुरूआत स्वामी विवेकानंद एवं महात्मा गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, अतिथियों का स्वागत हरियाली का प्रतीक तुलसी पोंधे एवं श्रीफल शाल और स्वामी विवेकानंद जी एवं भारत माता की तस्वीर भेंट कर किया गया। डॉ सक्सेना ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रों को उनके जीवन में जो लक्ष्य होता है उसको पाने के लिए प्रेरित करती है और युवा इसमें निश्चित ही सफल होता है। स्वयंसेवकों को सकारात्मक दृष्टिकोण रखना चाहिए एवं बी और सी सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए प्रयास करना चाहिए। परिहार ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों के गुण और कौशल को निखारने का कार्य करती है। राष्ट्रीय सेवा योजना सीखने और सिखाने की कला है। महाविद्यालय के वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. बी.डी. पांडे ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक गण, रासेयो स्वयंसेवक समिति अध्यक्ष मोहित नरवरिया वरिष्ठ एवं कनिष्ठ स्वयंसेवक/स्वयं सेविकाएं , महाविद्यालय की रोसेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रश्मि सिलारपुरिया और महाविद्यालय के निर्देशक डॉ. डी. के. दुबे मौजूद रहे।

अपात्र अभ्यर्थियों को भी दस्तावेज सत्यापन का मिल रहा मौका

शिक्षक चयन प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा शिक्षक चयन परीक्षा की प्रक्रिया को लेकर अभ्यर्थियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। शिक्षक पात्रता परीक्षा 2023 में जिन अभ्यर्थियों को नियमों के अनुसार पात्र नहीं माना जाना चाहिए था, उन्हें भी अब शिक्षक चयन परीक्षा 2025 की दस्तावेज जांच में बुलाया जा रहा है। अभ्यर्थियों का कहना है कि पात्रता परीक्षा 2023 के नियमों में साफ लिखा था कि वही उम्मीदवार परीक्षा में बैठ सकते हैं जो जरूरी शैक्षणिक या व्यावसायिक योग्यता के अंतिम वर्ष में पढ़ाई कर रहे हों। जिनके पास उस समय योग्यता नहीं थी उन्हें परीक्षा देने का अधिकार नहीं था। नियमों में यह भी तय था कि योग्यता की तारीख वही मानी जाएगी, जो विज्ञापन में दी गई थी। इसके बावजूद दस्तावेज जांच में 2024-25 तक की योग्यता को मान्य किया है। इससे ऐसे अभ्यर्थियों को

फायदा मिल रहा है, जो पात्रता परीक्षा के समय न तो अंतिम वर्ष में थे और न ही योग्य थे। डीपीआई द्वारा शिक्षकों की चयन प्रक्रिया निष्पक्ष नहीं लगती। अपने ही बनाए नियमों का पालन नहीं कर रहे। सालों से तैयारी करके परीक्षा पास करने के बाद अपात्र अभ्यर्थियों को मौका देने से प्रतिस्पर्धा बढ़ जाती है। अभ्यर्थियों का कहना है ऐसी प्रक्रिया से सही और मेहनती उम्मीदवारों के साथ अन्याय हो रहा है। अपात्र लोग चयन प्रक्रिया में आएंगे तो भर्ती की निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं। एक अभ्यर्थी ने बताया कि जब परीक्षा दी थी तो मैं योग्य था और परीक्षा भी पास कर ली, लेकिन 2024-25 के अयोग्य अभ्यर्थियों को मौका मिलने से 2023 के योग्य अभ्यर्थियों का चयन का अवसर छिन जाएगा।

मेट्रो एंकर सेवासदन के नि:शुल्क दृष्टिदोष जांच शिविर में 219 वाहन चालकों की जांच, 15 को मोतियाबिंद

वाहन चालकों का नियमित नेत्र परीक्षण बेहद जरूरी : डीसीपी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ने लालघाटी चौराहे पर आज एक निःशुल्क दृष्टिदोष, नेत्र रोग एवं दंत रोग परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारम्भ डी.सी.पी. ट्रैफिक जितेन्द्र सिंह पवार ने यातायात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों एवं सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के पदाधिकारियों ने परंपरागत तरीके से किया। शिविर में कुल 219 वाहन चालकों की दृष्टि दोष, नेत्र रोग एवं दंत रोगों की जांच की गई। जांच में 15 ड्राइवरों में मोतियाबिंद, 25 को रिफ्रेक्टिव एरर की शिकायत पाई गई। कमजोर दृष्टि वाले ड्राइवरों को नि:शुल्क चश्मे वितरित किए गए, जबकि नेत्र रोगों से पीड़ित व्यक्तियों को आवश्यक आई-ड्रॉप्स प्रदान

दिए गए। गंभीर नेत्र रोगों से पीड़ित ड्राइवरों को शीघ्र ही सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में उपचार प्रारंभ करने की सलाह दी गई। इसके साथ ही उनके रक्तचाप एवं मधुमेह की भी जांच की गई। मध्यप्रदेश यातायात पुलिस के ड्राइवरों ने भी बड़ी संख्या में सहभागिता करते हुए अपनी आंखों एवं दांतों की जांच करवाई। शिविर में उपस्थितजन को कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सी.पी.आर.) का प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। डी.सी.पी. ट्रैफिक जितेन्द्र सिंह पवार ने कहा कि बिना आंखों के दुनिया अंधेरी है। सड़क सुरक्षा माह-2025 में 'परवाह' योजना के तहत सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से यह शिविर आयोजित किया गया है। सड़क सुरक्षा एवं व्यापक लोकहित की दृष्टि से वाहन चालकों का नियमित नेत्र परीक्षण अत्यंत आवश्यक है। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के सचिव हीरो ज्ञानचंदानी ने अस्पताल की सेवाओं तथा अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस अवसर पर ए.डी.सी.पी. बसंत कौल, ए.सी.पी. विजय दुबे, देवेन्द्र सिंह यादव, पूर्व आई.ए.एस. राजेश मिश्रा, ट्रैफिक थाना प्रभारी संजय सूर्यवंशी, सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के सचिव हीरो ज्ञानचंदानी, एम.डी. भगतानी, कार्यपालन अधिकारी पुरुषोत्तम माहेश्वरी एवं डायरेक्टर कुशल धर्मानी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

तुलसी माता की पूजा से दूर होती है दरिद्रता : किरण

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

लाइफ लाइन पब्लिक स्कूल में तुलसी पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विधि विधान से मंत्रोच्चारण द्वारा पण्डित राज कुमार गर्ग द्वारा की गयी। कार्यक्रम बजरंग सेना समिति ओर लाइफ लाइन स्कूल के संयुक्त तत्वाधान में हुआ। प्राचार्य किरण वाधवानी ने कहा विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति से जोडने का यह एक सशक्त माध्यम है। विद्यार्थी कच्चे मटके की तरह होते हैं, उनको जैसो डाला जाएगा वैसे ही ढल जाएंगे। कमलेश देवानी द्वारा 50 से अधिक विद्यार्थियों को तुलसी के पौधे वितरित किए गए। इस अवसर पर बजरंग सेना समिति के मुख्य सलाहकार रुप कुमार सोनी, महासचिव गुरदास रामचंदानी, गोविंदराम वाधवानी, उपाध्यक्ष राज बिजोरिया, शमी गंगवानी आदि मौजूद थे।

एसएस तिवारी सेवानिवृत अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के प्रांतीय संगठन सचिव बने

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सेवानिवृत अर्द्ध शासकीय अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष अनिल बाजपेई एवं महासचिव अरुण वर्मा ने बीज निगम के सेवानिवृत वरिष्ठ कर्मचारी नेता एस एस तिवारी को सेवानिवृत अर्द्ध शासकीय अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन मे प्रांतीय संगठन सचिव पद पर मनोनीत किया है श्री तिवारी के प्रांतीय सचिव बनने पर अरुण वर्मा अनिल बाजपेई ओ पी सोनी पी सी जैन एस सी त्रिपाठी श्याम सुन्दर शर्मा राजू अवस्थी हतिम अली अंसारी व्ही के शुक्ला आर के खरे शकील अकबर अनिल कुमार व्यौहार आर एस रघुवंधी पी एल शर्मा आर सी गुप्ता महेश त्रिवेदी एस के शर्मा सहित कर्मचारी नेताओं ने बधाई दी है।

नए साल की शराब पार्टी के लिए लाइसेंस जरूरी, आबकारी विभाग ने तय की फीस

भोपाल। नए साल की पार्टी में जाम छलकाने के लिए फीस चुकानी होगी, इसके लिए आबकार विभाग ने लाइसेंस फीस तय कर दी है। यदि बिना लाइसेंस के शराब पार्टी की गई तो विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी। सहायक आबकारी आयुक्त द्वारा जारी आदेश अनुसार स्वयं के मकान पर यदि शराब पार्टी कर रहे हैं तो 500 रुपये प्रति लाइसेंस और मैरिज गार्डन, सामुदायिक भवन के लिए पांच हजार रुपये प्रति लाइसेंस फीस देना होगी। वहीं लाजिंग,बोर्डिंग की सुविधा वाले, होटल, रेस्टोरेंट को एक दिन के लिए 10 हजार रुपये प्रति लाइसेंस फीस देना होगा। जबकि आबकारी विभाग ने व्यसायिक किस्म के कार्यक्रमों ,आयोजनों आदि के लिए लोगों की संख्या के हिसाब से लाइसेंस की फीस तय की है।जिसमें 500 व्यक्तियों के कार्यक्रम के लिए 25 हजार, एक हजार के लिए 50 हजार, दो हजार के लिए 75 हजार, पांच हजार तक के लिए एक लाख और पांच हजार से अधिक के लिए दो लाख रुपये एक दिन के लाइसेंस की फीस देनी होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रीवा के सेमरिया में कृषक सम्मेलन को संबोधित किया।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने की ई-जीरो एफआईआर की शुरुआत

साइबर ठगों पर डिजिटल स्ट्राइक... ऐसा करने वाला देश का दूसरा राज्य बना मप्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो

साइबर अपराध बड़ा खतरा बनता जा रहा है। यही वजह है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा दिल्ली के बाद अब मप्र में भी ई-जीरो एफआइआर की शुरुआत कराई गई है। इसकी लांचिंग केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को ग्वालियर से की। 24 घंटे में ही साइबर ठगी के मामलों में 15 ई-जीरो एफआइआर शहर के अलग-अलग थानों में दर्ज हुई हैं।

ई-जीरो एफआइआर प्रणाली शुरू करने वाला दूसरा राज्य- साइबर अपराध करने वाले अपराधी और ठगी गई राशि पीड़ितों को आसानी से वापस दिलाने के लिए 19 मई को दिल्ली में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में ई-जीरो एफआइआर प्रणाली शुरू की गई थी। अब मप्र देश का दूसरा राज्य बन गया है, जहां साइबर ठगी के मामलों में ई-जीरो एफआइआर शुरू हो गई है। इससे न सिर्फ पुलिस जिम्मेदारी के साथ त्वरित कार्रवाई करेगी, बल्कि पीड़ितों की सुनवाई और ठगी की रकम वापस मिलने में सुविधा होगी।

एनसीआरपी और 1930 पर एक लाख से ज्यादा की ठगी की शिकायत- केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा साइबर अपराध की पड़ताल और पीड़ितों की त्वरित सुनवाई के लिए आइ4सी(भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र) का गठन किया था। आइ4सी द्वारा एनसीआरपी (नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल) और 1930 हेल्पलाइन लांच की। इसके जरिये शिकायत करने पर तुरंत कार्रवाई होती है, लेकिन शिकायत ही दर्ज होती है, एफआइआर नहीं। अब मप्र में एक लाख रुपये से अधिक की साइबर ठगी में सीधे ई-जीरो एफआइआर दर्ज होगी। जैसे ही एनसीआरपी या 1930 पर एक लाख रुपये से अधिक की साइबर ठगी की शिकायत आएगी तो शिकायत स्वत-ही ई-जीरो एफआइआर में परिवर्तित होकर एनसीआरपी के जरिये ही मप्र के जिस जिले से फरियादी ने शिकायत की होगी, उस जिले के संबंधित थाने को स्थानांतरित हो जाएगी।

ऐसे होगी ई-जीरो एफआइआर

जैसे ही एक लाख रुपये या इससे अधिक की साइबर ठगी हो तो तुरंत cybercrime.gov.in पर जाकर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। साइबर हेल्पलाइन 1930 पर भी तुरंत शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। इसमें एक लाख रुपये से अधिक की ठगी में तुरंत ई-जीरो एफआइआर दर्ज होगी। जो संबंधित थाने को स्थानांतरित हो जाएगी। ई-जीरो एफआइआर का मैसेज शिकायतकर्ता को टेक्सट मैसेज के जरिये पहुंचेगा। इसके 72 घंटे के भीतर शिकायतकर्ता को थाने पहुंचना होगा। जिससे ई-जीरो एफआइआर नियमित FIR में परिवर्तित हो जाए।

पुलिस बहाने नहीं बना सकेगी

अभी साइबर ठगी के मामले में सबसे पहले पुलिस टालने का प्रयास करती है। एफआइआर तो बहुत कम होती हैं। अब ई-जीरो एफआइआर सीधे थाने में स्थानांतरित होगी। इसके बाद थाना प्रभारी को त्वरित संज्ञान लेकर विवेचक नियुक्त करना होगा। सबसे पहले खाता फ्रीज, कॉल डिटेल पड़ताल, आइपी एड्रेस पड़ताल शुरू करनी होगी।

रीवा में शाह ने किसानों से कहा

आप प्राकृतिक खेती करें, सर्टिफिकेशन से मार्केटिंग तक की व्यवस्था हम करेंगे

रीवा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रीवा में बसामन मामा गौ वन्य विहार में प्राकृतिक खेती के प्रकल्प का उद्घाटन किया। इस मौके पर शाह ने किसानों से प्राकृतिक खेती को अपनाने की अपील करते हुए कहा कि यह धारणा गलत है कि प्राकृतिक खेती से उत्पादन कम होता है। मैंने स्वयं अपने खेतों में प्राकृतिक खेती को अपनाया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय बड़े स्तर पर प्राकृतिक खेती की उपज के प्रमाणीकरण का काम कर रहा है। आप प्राकृतिक खेती की शुरुआत कीजिए, आपकी उपज के सर्टिफिकेशन, पैकेजिंग और मार्केटिंग की व्यवस्था हम करेंगे। केंद्र सरकार ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के इसका जिम्मा सहकारिता विभाग को दिया है। जल्द ही देशभर में 400 से अधिक प्रयोगशालाओं के जरिए किसान को प्राकृतिक खेती का प्रमाण-पत्र दिया जाएगा। इससे किसानों की आय भी डेढ़ गुना तक बढ़ेगी।

ग्वालियर में मेले का शुभारंभ... टैक्स में छूट पर संशय

इधर, अभ्युदय एमपी ग्रोथ समिट के मंच से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ग्वालियर व्यापार मेला का शुभारंभ किया । इसके साथ ही मेले की औपचारिक शुरूआत हो गई है, लेकिन मेले के ऑटोमोबाइल सेक्टर में मिलने वाली परिवहन टैक्स छूट को लेकर अब तक संशय बना हुआ है। क्योंकि, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस छूट को लेकर कोई घोषणा नहीं की। जबकि, ऑटोमोबाइल कारोबारियों ने इस कार्यक्रम में छूट की घोषणा की उम्मीद बांधते हुए मेला में अपने स्टॉल तैयार करना शुरू कर दिए हैं।

कर्मचारी संगठनों के सुझाव पर बनाई योजना

नए साल में मप्र के 15 लाख कर्मचारियों को आयुष्मान जैसी सुविधा देने की तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश सरकार राज्य के 15 लाख से अधिक कर्मचारियों को नए साल 2026 में आयुष्मान जैसी स्वास्थ्य सुविधा योजना देने की तैयारी कर रही है। प्रस्ताव बना लिया गया है। इसमें कर्मचारियों को हरियाणा और राजस्थान की तरह कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। कुछ राशि उनके वेतन से अंशदान के तौर पर काटी जाएगी, शेष राशि सरकार जमा कराएगी।

मुख्यमंत्री आयुष्मान स्वास्थ्य बीमा योजना के नाम से प्रस्तावित यह योजना राज्य सरकार ने कर्मचारी संगठनों के सुझाव पर बनाई है। इसके लिए भी आयुष्मान भारत की तरह प्रदेश और प्रदेश के बाहर के निजी अस्पतालों से अनुबंध किया जाएगा। कर्मचारी संगठन लंबे समय से कैशलेस उपचार सुविधा की मांग कर रहे हैं, जो जल्द ही उन्हें मिल सकती है। प्रस्तावित योजना में प्रदेश के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ सेवानिवृत्त कर्मियों के परिवारों को सामान्य इलाज के लिए पांच लाख रुपये और गंभीर बीमारी होने पर दस लाख रुपये तक की निशुल्क चिकित्सा और ओपीडी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

वेतन और पेंशन से कितना देना होगा अंशदान

इसमें कर्मचारियों के वेतन और पेंशन से 250 से 1000 रुपये तक मासिक अंशदान लिया जाएगा। शेष राशि सरकार मिलाएगी। बता दें कि सरकार ने फरवरी 2020 में प्रदेश के कर्मचारियों के लिए फ्री इलाज की घोषणा की थी। इसका आदेश भी जारी हुआ था, लेकिन योजना शुरू नहीं की जा सकी। उत्तराखंड सरकार इसी तरह की योजना संचालित कर रही है। स्थायी, अस्थायी, संविदा, शिक्षक संवर्ग, सेवानिवृत्त कर्मचारी, नगर सैनिक, कार्यभारित, राज्य की स्वशासी संस्थाओं में कार्यरत कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, आशा एवं उषा कार्यकर्ता, आशा सुपरवाइजर और कोटवार और आउटसोर्स स्वास्थ्य सुविधा का लाभ ले पाएंगे। इन कर्मचारियों की संख्या 15 लाख से अधिक है।

अभी खुद कराते हैं इलाज

प्रदेश में अभी कर्मचारी और पेंशनर्स इलाज का सारा खर्च खुद उठाते हैं और बाद में विभाग के माध्यम से खर्च की प्रतिपूर्ति के लिए आवेदन करते हैं। यह प्रस्ताव कैबिनेट तक जाता है और सरकार बाद में केंद्रीय स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) की दरों के अनुसार भुगतान करती है, लेकिन कई बार गंभीर बीमारी पर अधिक व्यय होने के कारण पूरा खर्च कवर नहीं होता, जिसके चलते कर्मचारियों को स्वयं ही इलाज का खर्च वहन करना होता है। हम तो लंबे समय से कर्मचारियों के स्वास्थ्य बीमा की मांग करते आ रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से इस दिशा में कोई पहल नहीं की गई। कई पेंशनर ऐसे हैं जो अपना जीवन यापन भी ठीक तरह से नहीं कर पाते, इलाज कराना तो बहुत दूर की बात है।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की यूनिट नंबर 5 ने किया बड़ा कमाल

मध्यप्रदेश के इतिहास में पहली बार कोई बिजली यूनिट लगातार 450 दिन से कर रही उत्पादन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की 210 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 5 ने बड़ा कमाल दिखाते हुए लगातार 450 दिन बिजली उत्पादन करने का रिकार्ड बनाया। चचाई की यूनिट नंबर 5 प्रदेश के इतिहास में ऐसी प्रथम विद्युत उत्पादन यूनिट है जो लगातार 450 दिनों से संचालित है। यह यूनिट 1 अक्टूबर 2024 से निरंतर रूप से विद्युत उत्पादन कर रही है। यूनिट ने गत माह अक्टूबर की 4 तारीख को लगातार 365 दिन एक वर्ष तक निर्बाध विद्युत उत्पादन करने का तमगा हासिल किया था।

यूनिट 5 के निर्बाध संचालन से प्रदेश के विद्युत ग्रिड को स्थिरता मिली और घरेलू व औद्योगिक उपभोक्ताओं को सुचारु विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हुई। इस उपलब्धि से न केवल म.प्र. पावर जनरेशन कंपनी की साख मजबूत हुई बल्कि यह प्रदेश की अन्य ताप विद्युत इकाइयों के लिए प्रेरणा स्रोत भी बनी है।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई की यूनिट नंबर 5 की इस सफलता व उपलब्धि पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई व MPPGCL के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह हर्ष ने व्यक्त करते हुए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई के यूनिट नंबर के ऑपरेशन व मेंटेनेंस अभियंताओं व कार्मिकों की लगन, मेहनत व समर्पण का सबसे बड़ा उदाहरण है। निरंतर संचालन की इस असाधारण अवधि के दौरान यूनिट नंबर 5 ने सराहनीय प्रदर्शन करते हुए 98.48 फीसदी का प्लांट अवेलेबिलिटी फैक्टर , 94.91 फीसदी का प्लांट लोड फैक्टर प्राप्त किया है और 9.29% की सहायक विद्युत खपत बनाए रखी।

चचाई के अभियंताओं व कार्मिकों ने दिखाया कमाल

पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने कहा कि सामूहिक प्रयास, अनुशासित कार्यशैली व उच्च तकनीकी दक्षता से अमरकंटक ताप विद्युत गृह की यूनिट नंबर 5 जैसे परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।

चुनौतीपूर्ण लक्ष्य

लगातार एक वर्ष तक बिना रुकावट संचालन किसी भी ताप विद्युत इकाई के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य है, जिसके लिए बॉयलर, टरबाइन, जनरेटर एवं सहायक प्रणालियों का सटीक रखरखाव, निरंतर निगरानी व तकनीकी समस्याओं का त्वरित समाधान जरूरी होता है। यह उपलब्धि मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड की समर्पित टीम के निरंतर परिश्रम व तकनीकी विशेषज्ञता का परिणाम है।

पूर्व मंत्री बोले-मनरेगा में 1 फीसदी मजदूरों को भी 100 दिन काम नहीं

भोपाल। मध्यप्रदेश में पंचायती एवं ग्रामीण विकास योजनाओं की स्थिति को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस नेता और पूर्व पंचायत मंत्री कमलेश्वर पटेल ने कहा कि सरकार ग्रामीण विकास के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन आंकड़े खुद सरकारी नाकामी बयां कर रहे हैं। कांग्रेस नेता के मुताबिक, मनरेगा के तहत प्रदेश में पंजीकृत मजदूरों में से एक प्रतिशत से भी कम लोगों को 100 दिन का रोजगार मिल पाया है। इससे ग्रामीण बेरोजगारी की स्थिति स्पष्ट होती है। उन्होंने कहा कि नाम बदलने और प्रचार पर जोर है, जबकि मजदूरों को न काम मिल रहा है।

सरकारी अस्पतालों में दवा संकट खत्म करने की तैयारी,

हर संभाग में बनेंगे सेंट्रल ड्रग वेयरहाउस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में सरकारी अस्पतालों में दवाओं की समय पर उपलब्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए दवा आपूर्ति व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया जा रहा है। मध्यप्रदेश पब्लिक हेल्थ सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड ने प्रदेश के हर संभाग में सेंट्रलाइज्ड ड्रग वेयरहाउस स्थापित करने के प्रस्ताव को शासन ने स्वीकृति दे दी है। कॉरपोरेशन अधिकारियों के अनुसार, इस नई व्यवस्था से अस्पतालों में दवाओं की कमी, अनियंत्रित स्टॉक और एक्सपायरी दवाओं जैसी समस्याओं पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। योजना को जमीन पर उतारने में करीब छह महीने का समय लग सकता है। अब तक अस्पतालों की मांग पर दवा कंपनियां सीधे अस्पतालों को दवाएं सप्लाई करती थीं। नई व्यवस्था में यह प्रक्रिया बदली जाएगी। प्रस्ताव के अनुसार, हर संभाग में एक आधुनिक ड्रग वेयरहाउस बनाया जाएगा, जहां अस्पतालों की जरूरत के अनुसार दवाओं का स्टॉक पहले से रखा जाएगा। इसके बाद यहीं से अस्पतालों को दवाएं वितरित की जाएंगी।

सेंट्रलाइज्ड सिस्टम से दवा वितरण पूरी तरह योजनाबद्ध और नियंत्रित होगा। अस्पतालों को अनिवार्य रूप से तीन महीने का दवा स्टॉक रखने की जरूरत होती है, जिसे वेयरहाउस के माध्यम से आसानी से मैनेज किया जा सकेगा।

थर्ड पार्टी बनाएगी स्टोर, सरकार करेगी खरीदी

सेंट्रल ड्रग वेयरहाउस को थर्ड पार्टी के माध्यम से बनाया जाएगा। साथ ही सप्लाई की जिम्मेदारी भी संबंधित एजेंसी की होगी। इसके लिए रेट तय किए जाएंगे। हालांकि दवा की खरीदी, जांच की जिम्मेदारी सरकार की होगी। यह स्टोर संभाग में मुख्यालय की जगह ऐसे शहर में बनाए जाएंगे, जहां से जिलों में दवा को सप्लाई करना आसान और कम समय में पहुंच सके। कॉरपोरेशन के अधिकारियों का यह भी दावा है कि दवाओं की गुणवत्ता जांच पहले से ही तीन स्तरों पर की जाती है, लेकिन अब इसे और सख्त किया जा रहा है। इसमें दवाओं को WHO गाइडलाइंस, COPP , और NABL मान्यता प्राप्त लैब से जांच होगी ही। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर दवाओं का थर्ड पार्टी लैब टेस्ट भी कराया जाएगा। स्टोरेज के दौरान होने वाली तकनीकी या मानवीय त्रुटियों को भी इस नई व्यवस्था से कम किया जाएगा।

मेट्रो एंकर साउथ सिनेमा को भाया अपना मप्र, अखंडा और पेन्नियन सेल्वन जैसी फिल्में यहीं हुईं शूट

तीन साल में 200 से ज्यादा प्रोजेक्ट की शूटिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बदलते दौर में सिनेमा में कई बदलाव आए हैं। न केवल फिल्मों की समय अवधि कम हुई है, बल्कि बड़ी स्क्रीन से निकलकर सिनेमा ओटीटी के रूप में दर्शकों के पास पहुंच गया है। फिल्मों की करिश्माई दुनिया के बजाय दर्शकों ने असल जिंदगी को चुना और पसंद किया।

इन सबके बीच सिनेमा फिर भी एक चीज तलाश करता रहा, वह है वास्तविक सेट। फिल्म निर्माता-निर्देशकों की यह तलाश खत्म हुई मध्य प्रदेश में। यहां के नदी, पहाड़, जंगल, ऐतिहासिक स्थल और खासतौर पर सिनेमा फ्रेंडली लोग, सिनेमा को मध्य प्रदेश खींच लाए। कुछ दशकों पहले जो फिल्में मध्य प्रदेश के बड़े शहरों जैसे भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, इंदौर में शूट हुआ करती थीं, वो अब छोटे कस्बों जैसे महेश्वर, चंदेरी, ओरछा से होती हुई सीहोर जिले के महोदिया, बमुलिया और धमनखेड़ा, छिंदवाड़ा जिले के चिमटीपुर जैसे गांवों तक पहुंच गई हैं।

नैसर्गिक सौंदर्य से भरपूर मप्र के इन गंतव्यों ने दक्षिण भारत की फिल्मों को सबसे ज्यादा आकर्षित किया है। इससे शूटिंग के दिन भी बढ़े हैं और सिनेमा पूरे प्रदेश में फैल गया है।

तीन सालों में दो सौ से अधिक छोटे-बड़े प्रोजेक्ट शूट हुए- शूटिंग हब बन चुके मध्य प्रदेश में पिछले तीन सालों (वर्ष 2023 से 2025) में दो सौ से अधिक छोटे-बड़े प्रोजेक्ट शूट हुए हैं, जिनमें 20 से भी ज्यादा साउथ की बड़े बजट की फिल्में हैं। राज्य ने अपनी विविध भौगोलिक स्थिति, ऐतिहासिक विरासत और फिल्म अनुकूल प्रशासनिक नीतियों के कारण दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग (तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम) को अपनी ओर आकर्षित किया है। मप्र सरकार की फिल्म पर्यटन नीति 2020 ने निर्माताओं का काम आसान किया। फरवरी 2025 में अनुमोदित नई फिल्म पर्यटन संवर्धन नीति ने वित्तीय प्रोत्साहनों की सीमा को बढ़ाकर दस करोड़ रुपये तक कर दिया है।

फिल्म क्रू के ठहरने पर 40 प्रतिशत की छूट

वहीं सिगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम को लोक सेवा गारंटी अधिनियम में शामिल किया है। यह प्रणाली सुनिश्चित करती है कि निर्माताओं को 15 कार्य दिवस के भीतर सभी आवश्यक अनमुतियां प्राप्त हो जाएं। इसके अतिरिक्त मप्र पर्यटन के होटल में फिल्म क्रू के ठहरने पर 40 प्रतिशत की सीधी छूट प्रदान की जाती है। यह प्रविधान दक्षिण भारतीय फिल्मों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि उनकी निर्माण इकाईयां बहुत बड़ी होती हैं, जिनमें तीन सौ से अधिक सदस्य शामिल होते हैं।

‘20 साल में बदल जाएगा यूरोप’

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटिजी 2025 में यूरोप को लेकर एक भयानक चेतावनी दी गई है। इसके मुताबिक, ‘इमिग्रेशन पॉलिसी की वजह से यूरोप में सभ्यता मिटने का खतरा है। अगर मौजूदा हालात बने रहे तो 20 साल या उससे भी कम समय में यूरोप की पहचान बदल जाएगी।’ यह चेतावनी सवाल उठाती है कि क्या इमिग्रेशन से किसी देश की पहचान खत्म हो सकती है।

कहां गए मूल अमेरिकी : अगर कोई ऐसा उदाहरण तलाशना हो, जहां विदेशी बसावट ने स्थानीय सभ्यता को मिटा दिया, तो हमें 500 साल पीछे जाना होगा। यूरोप से आए श्वेत लोगों ने मूल अमेरिकी जनजातियों को उनकी जमीनों से बेदखल कर दिया और जबरदस्त कत्लेआम मचाया। यूरोपीय लोग अपने साथ जो बीमारी लेकर गए, उसने और ज्यादा जानें लीं। सिर्फ एक सदी में मूल अमेरिकी आबादी करीब 90% कम हो गई। आज उनकी संख्या 1% से भी कम है। उस समय अमेरिका पहुंचे श्वेत उपनिवेशवादी थे, जबकि आज के प्रवासी उपनिवेशवादी नहीं हैं।

सभ्यता बढ़ती है : अगर किसी सभ्यता की पहचान भाषा, व्यवहार, संस्कृति से होती है, तो प्रवासी उसे खत्म नहीं करते, बल्कि और मजबूत बनाते हैं। वे मेजबान देश की बातें सीखकर उसे अपने मूल देश तक पहुंचाते हैं। कई रिसर्च से पता चला है कि विदेश में रहने वाले लोग अपने मूल देश में भी लोकतंत्र, बेहतर शासन और महिला अधिकारों को लेकर जागरूकता बढ़ाते हैं। अगर कोई सभ्यता त्वचा के रंग और धर्म से पहचानी जाती है, तो ट्रंप की आशंका पूरी तरह निराधार नहीं है। मौजूदा ट्रेंड बताते हैं कि भविष्य में ऐसे लोग यूरोप जाएंगे, जो ईसाई नहीं, हिंदू, मुस्लिम, बौद्ध, यहूदी वगैरह होंगे। साथ ही उनकी त्वचा का रंग भी काला होगा।

गलत आकलन : NSS का 20 साल वाला आकलन अतिशयोक्ति है। मौजूदा इमिग्रेशन दर से साफ है कि यूरोप में बाहर से कोई एक समुदाय कम से कम अगली एक सदी तक तो बहुसंख्यक नहीं बनने वाला। लेकिन, ह्यस्का फोकस यूरोप पर ही क्यों है? यहां के केवल 10% लोग बाहर जन्मे हैं। अगर इमिग्रेशन से सभ्यता को वाकई खतरा है, तो यह खतरा यूरोप नहीं, अमेरिका पर मंडरा रहा। दुनिया में कुल प्रवासियों का पांचवां हिस्सा सिर्फ अमेरिका में है।

विकसित भारत का कृषि मॉडल: गौ-आधारित प्राकृतिक खेती और स्वस्थ जीवन

राजेंद्र शुक्ल
उप मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विकास के उस मार्ग पर अग्रसर है, जहाँ आर्थिक प्रगति के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, सार्वजनिक स्वास्थ्य और सांस्कृतिक मूल्यों को समान महत्व दिया जा रहा है। इसी समग्र दृष्टि के अंतर्गत भारतीय कृषि को भी एक नए युग की ओर ले जाया जा रहा है। कृषि सदियों से हमारी सभ्यता की रीढ़ रही है। आधुनिक युग में रासायनिक उर्वरकों और सिंथेटिक कीटनाशकों पर अत्यधिक निर्भरता ने खेती की लागत बढ़ाने के साथ-साथ मिट्टी की उर्वरता, उसकी जलधारण क्षमता और दीर्घकालिक स्थिरता को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप, हमारे भोजन की गुणवत्ता और नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

प्रधानमंत्री मोदी जी ने बार-बार इस बात पर ज़ोर दिया है कि भारत की समस्याओं का समाधान हमारी अपनी परंपराओं और ज्ञान प्रणाली में निहित है। इसी विचार से प्राकृतिक खेती को राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहन मिल रहा है, जो भारतीय कृषि की मूल आत्मा से जुड़ी हुई है। आज आवश्यकता इस बात की है कि कृषि को केवल उत्पादन के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, स्थिरता और आत्मनिर्भरता के व्यापक संदर्भ में देखा जाए। भारत की पारंपरिक कृषि व्यवस्था सह-अस्तित्व और संतुलन पर आधारित रही है, जिसमें गौमाता की भूमिका केंद्रीय रही है। गौ केवल धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि उत्पादकता और पोषण सुरक्षा का आधार रही हैं। हमारे पूर्वज जानते थे कि गौवंश का संरक्षण सीधे मिट्टी के स्वास्थ्य से जुड़ा है। गोबर और गोमूत्र से भूमि को पोषण मिलता है, सूक्ष्म जीव सक्रिय होते हैं और मिट्टी पुनः जीवंत होती है। स्वस्थ मिट्टी से प्राप्त अन्न अधिक पौष्टिक, सुरक्षित और मानव शरीर के अनुकूल होता है। प्रधानमंत्री मोदी जी की दृष्टि में प्राकृतिक खेती केवल एक कृषि तकनीक नहीं, बल्कि जीवन जीने की भारतीय पद्धति है। वे इसे किसानों की लागत घटाने, आय बढ़ाने और उन्हें बाहरी निर्भरता से मुक्त करने का सशक्त माध्यम मानते हैं। साथ ही, यह देशवासियों को रसायन-मुक्त, विषरहित भोजन उपलब्ध कराने का मार्ग है। यही कारण है कि प्राकृतिक खेती को आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के लक्ष्य से जोड़ा गया है। प्राकृतिक खेती की कार्यप्रणाली सरल, स्वदेशी और प्रभावशाली है। इसमें गौशालाओं को केवल संरक्षण केंद्र नहीं, बल्कि कृषि आदानों के उत्पादन के आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है। गोबर और गोमूत्र से तैयार जीवामृत, बीजामृत और पंचगव्य जैसे प्राकृतिक इनपुट मिट्टी के सूक्ष्म जीवों को सक्रिय करते हैं और भूमि की उर्वरता को दीर्घकालिक रूप से बढ़ाते हैं। पलवार (मल्चिंग) जैसी तकनीकें मिट्टी की नमी बनाए रखती हैं, जल संरक्षण में सहायक होती हैं और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से फसलों की रक्षा करती हैं। इन उपायों से खेती की लागत में उल्लेखनीय कमी आती है, जिससे शून्य बजट प्राकृतिक खेती का लक्ष्य व्यवहारिक रूप से संभव होता है।

सहकारिता से समृद्धि और संस्थागत शक्ति: प्राकृतिक खेती को जन-आंदोलन बनाने में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी का मार्गदर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके विजन ‘सहकारिता से समृद्धि’ के तहत, प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को संगठित किया जा रहा है एवं किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) को सशक्त बनाया जा रहा है ताकि छोटे किसानों को न केवल सस्ती दरों पर प्राकृतिक खाद-बीज मिल सकें, बल्कि उनके विषमुक्त उत्पादों को उचित बाजार और लाभकारी मूल्य भी प्राप्त हो सके। गौ-आधारित प्राकृतिक खेती और सहकारिता का मेल ही ग्रामीण समृद्धि का नया मार्ग है।

प्राकृतिक खेती का महत्व केवल खेत तक सीमित नहीं है; इसका सीधा संबंध मानव स्वास्थ्य और जीवनशैली से है। आज जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं, जिनका एक बड़ा कारण रासायनिक अवशेषों से युक्त भोजन है। प्राकृतिक खेती से प्राप्त शुद्ध और विषमुक्त अन्न पाचन तंत्र को सुदृढ़ करता है, रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और दीर्घकालिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा योग और आयुष को वैश्विक पहचान दिलाना इसी समग्र स्वास्थ्य दृष्टि का हिस्सा है। योग, प्राणायाम और संतुलित दिनचर्या तभी पूर्ण लाभ देती है जब भोजन भी शुद्ध और प्राकृतिक हो। प्राकृतिक खेती, स्वस्थ भोजन और योग–तीनों मिलकर स्वस्थ भारत की परिकल्पना को साकार करते हैं। प्राकृतिक खेती को अपनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का व्यावहारिक मंत्र–‘एक एकड़, एक मौसम’–किसानों के लिए प्रेरणास्रोत है। छोटे स्तर पर प्रयोग कर किसान बिना जोखिम उठाए परिणाम देख सकता है और फिर धीरे-धीरे विस्तार कर सकता है। केंद्र सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन, आदानों की उपलब्धता और बाजार से जोड़ने के लिए मजबूत संस्थागत समर्थन दिया जा रहा है। किसान उत्पादक संगठन (FPOs) इस दिशा में अहम भूमिका निभा रहे हैं, जिससे छोटे और सीमांत किसानों को सामूहिक शक्ति प्राप्त हो रही है।

गौ-आधारित प्राकृतिक खेती, भारतीय जीवनदृष्टि का पुनर्जागरण: गौ-आधारित प्राकृतिक खेती केवल कृषि सुधार की पहल नहीं, बल्कि भारतीय जीवनदृष्टि का पुनर्जागरण है। गौमाता और मिट्टी की रक्षा के अपने सांस्कृतिक दायित्व को निभाते हुए, हम आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ भोजन, संतुलित जीवनशैली और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं। यही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित, आत्मनिर्भर और स्वस्थ भारत के स्वप्न को साकार करने का सशक्त मार्ग है।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

चार साहिबजादों की अमर शहादत : धर्म, साहस और बलिदान का स्वर्णिम इतिहास

सुखबीर सिंह सिंघोतरा
स्तंभकार

सिख इतिहास में यदि त्याग, साहस और धर्मनिष्ठा की पराकाष्ठा का कोई सर्वोच्च उदाहरण है, तो वह दसवें गुरु, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के चार साहेबज़ादों की शहादत है। यह केवल इतिहास नहीं, बल्कि मानवता, धर्म और आत्मबल का वह उज्ज्वल दीप है, जो सदियों से करोड़ों लोगों को अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देता आ रहा है। मुग़ल अत्याचारों के अंधकारमय काल में जब धर्म और आस्था पर प्रहार हो रहा था, तब गुरु गोबिंद सिंह जी ने अपने पुत्रों को भी उसी पवित्र मार्ग पर चलना सिखाया, जहाँ धर्म की रक्षा सर्वोपरि थी – चाहे उसके लिए प्राणों की आहुति ही क्यों न देनी पड़े।

बड़े साहेबज़ादे — अडिग वीरता के प्रतीक: गुरु जी के ज्येष्ठ पुत्र साहेबज़ादा अजीत सिंह (18 वर्ष) और साहेबज़ादा जुझार सिंह (14 वर्ष) ने चमकौर के युद्ध में अत्यंत सीमित साधनों के बावजूद मुग़ल सेना के विरुद्ध अद्वितीय वीरता का परिचय दिया। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि उम्र नहीं, बल्कि विचार और आस्था किसी योद्धा की शक्ति तय करते हैं। धर्म और स्वाभिमान की रक्षा करते हुए उन्होंने रणभूमि में वीरगति प्राप्त की और इतिहास में अमर हो गए।

छोटे साहेबज़ादे — धर्म के प्रति अगाध निष्ठा और साहस की अनुपम मिसाल: सबसे हृदयविदारक प्रसंग छोटे साहेबज़ादों, साहेबज़ादा जोरावर सिंह (9 वर्ष) और साहेबज़ादा फतेह सिंह (7 वर्ष) की शहादत का है।

सरहिंद के नवाब वज़ीर ख़ान ने उन्हें इस्लाम स्वीकार करने का प्रलोभन दिया, किंतु बाल अवस्था में भी उन्होंने धर्म से विमुख होना स्वीकार नहीं किया। निर्मम अत्याचार के तहत उन्हें दीवार में ज़िंदा चिनवा दिया गया, फिर भी उनके मुख से न कोई भय निकला, न कोई शिकायत – केवल धर्म और गुरु के प्रति अडिग निष्ठा। दोनों छोटे साहबजादों को जब नवाब वजीर खान द्वारा दीवार में चुनवाया जा रहा था और जब दीवार छोटे साहबजादे बाबा फतेह सिंह जी के गले तक पहुंची तब साहेबजादा जोरावर सिंह और साहेबजादा फतेह सिंह के बीच आपसी बातचीत मार्मिक और भाइयों की धर्म परायणता के महत्व को दर्शाती है जो हम सभी के लिए प्रेरणा दायक है।

जब छोटे साहेबजादे फतेह सिंह के गले तक दीवाल पहुंची तो बड़ी साहेबजादे जोरावर सिंह की आंखों में आंसू आ गए अपने बड़े भाई की आंखों में आंसू देख छोटे भाई साहेबजादे फतेह सिंह ने जोरावर सिंह से कहा क्या भैया आप मौत से डर रहे हैं ? हम गुरु गोविंद सिंह जी की औलाद है धर्म के लिए हम कोई समझौता नहीं कर सकते मर जाएंगे पर धर्म नहीं छोड़ेंगे, छोटे साहेबजादे फतेह सिंह की बात सुनकर बड़े साहेबजादे जोरावर सिंह ने कहा कि फतेह सिंह मैं मौत से नहीं डर रहा, मेरी आंखों में आंसू इसलिए आ गए हैं कि मैं बड़ा हूं और धर्म के लिए अपने प्राणों का बलिदान करने की जब बारी आई तो छोटा भाई बाजी मार रहा है, जबकि होना तो यह चाहिए था कि बड़े होने के नाते मेरी मौत पहले आती , परंतु छोटा होने के बावजूद धर्म के लिए मौत को गले लगाने का मौका पहले तुझे मिल रहा है।

बड़े भाई साहेबजादा जोरावर सिंह जी की बात सुनकर छोटे भाई साहेबजादा फतेह सिंह जी कहां की दुखी मत हो आपको भी यह मौका मिलेगा यही वाहेगुरु की मर्जी है। मृत्यु के दरवाजे पर खड़े दोनों छोटे साहेबजादो की यह वार्ता इस बात का प्रतीक है कि धर्म की रक्षा के लिए दोनो साहेबजादे पहले न्योछावर होना चाहते थे।

माता गुजरी जी का अद्वितीय त्याग: इन साहेबज़ादों के साथ माता गुजरी जी का त्याग भी उतना ही महान है। अपने पौत्रों की शहादत का समाचार सुनकर उन्होंने भी ईश्वर स्मरण करते हुए अपने प्राण त्याग दिए। उनका धैर्य और विश्वास सम्पूर्ण मानवता के लिए प्रेरणा है। जब दोनों छोटे साहेबजादे वजीर खान की घोषणा अनुसार मौत को गले लगाने जा रहे थे तब माता गुजरी ने दोनों बच्चों को दूल्हों की तरह सजाकर मौत रुपी दुल्हन के पास भेजा था।

शहादत जो युगों तक जीवित रहेगी: चार साहेबज़ादों की शहादत हमें यह सिखाती है कि धर्म, सत्य और आत्मसम्मान के लिए किया गया बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाता। आज भी जब समाज अन्याय, भय और लोभ के सामने झुकने को मजबूर दिखता है, तब साहेबज़ादों का यह इतिहास हमें साहस से खड़े होने की शक्ति देता है। यह शहादत केवल सिखों की नहीं, बल्कि समस्त मानवता की धरोहर है।

चार साहेबज़ादों का बलिदान सर्वसमाज को यह संदेश देता है कि ‘धर्म की रक्षा के लिए यदि सब कुछ भी खोना पड़े, तो भी सत्य का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए।’

छत्तीसगढ़ सिख समाज प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से अनुरोध करता है कि चार साहबजादो की शहादत की गाथा स्कूली पाठ्यक्रम में अति शीघ्र शामिल करें ताकि आज के युवा और आने वाली पीढ़ी इन धर्म रक्षों की शहादत को पढ़कर प्रेरणा ले सके।

चार साहेबज़ादों की शहादत को शत-शत् नमन।
जो बोले सो निहाल... सत श्री अकाल।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ टिप्स

वजन बढ़ाने के लिए केला और अंडा, कार्ब - प्रोटीन का कॉम्बिनेशन

आज के समय में जहां कई लोग वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं बहुत से लोग दुबलेपन से परेशान होकर स्वस्थ तरीके से वजन बढ़ाना चाहते हैं। ऐसे में सबसे आम सवाल यही होता है कि वजन बढ़ाने के लिए केला बेहतर है या अंडा? प्रिया पालीवाल, चीफ डाइटिशियन, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टिट्यूट, दिल्ली के अनुसार, दरअसल दोनों ही आसानी से मिलने वाले, किफायती और पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ हैं लेकिन इनके शरीर पर असर अलग-अलग होते हैं। वजन बढ़ाने का मतलब सिर्फ ज्यादा खाना नहीं बल्कि सही और संतुलित पोषण लेना होता है। गलत तरीके से वजन बढ़ाने पर पेट की चर्बी बढ़ सकती है, शरीर में कमजोरी आ सकती है और पाचन संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए वजन बढ़ाने के लिए ऐसे खाद्य पदार्थों का चयन करना जरूरी है, जो शरीर को पर्याप्त कैलोरी के साथ-साथ प्रोटीन, विटामिन और मिनरल भी प्रदान करें, ताकि वजन के साथ सेहत और ताकत भी बढ़े।

केला देता है नेचरल एनर्जी: केला वजन बढ़ाने के लिए सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला फल है क्योंकि इसमें नेचुरल शुगर, कार्बोहाइड्रेट और अच्छी मात्रा में कैलोरी होती है, जो शरीर को तुरंत ऊर्जा देता है। यह आसानी से पच जाता है इसलिए कमजोर पाचन वाले लोग भी इसे बिना किसी परेशानी के खा सकते हैं। केले में मौजूद कार्बोहाइड्रेट वजन बढ़ाने में मदद करते हैं जबकि पोटैशियम, फाइबर और विटामिन बी6 शरीर को पोषण देते हैं। इसे सुबह खाली पेट या एक्सरसाइज के बाद खाना फायदेमंद माना जाता है। केला शरीर को अतिरिक्त कैलोरी देता है, जिससे धीरे-धीरे वजन बढ़ता है। अगर इसे दूध, मूंगफली के मक्खन या ड्राई फ्रूट्स के साथ लिया जाए तो इसका असर और बेहतर हो जाता है।

अंडा मसल्स और ताकत के लिए: अंडा वजन बढ़ाने के साथ-साथ मसल्स और ताकत बढ़ाने के लिए सबसे बेहतरीन आहार माना जाता है क्योंकि इसमें हाई क्वालिटी वाला प्रोटीन और हेल्दी फैट भरपूर मात्रा में होता है। अंडा मांसपेशियों को मजबूत करता है और शरीर को जरूरी कैल्शियम, आयरन, जिंक और विटामिन D जैसे पोषक तत्व प्रदान करता है। अंडा खाने से लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है और शरीर को एक्स्ट्रा एनर्जी मिलती है, जिससे वजन के साथ ताकत भी बढ़ती है। जो लोग जिम करते हैं या मसल्स बनाना चाहते हैं, उनके लिए अंडा बेहद फायदेमंद है। रोजाना 2 से 4 अंडे खाने से स्वस्थ तरीके से वजन बढ़ाया जा सकता है। उबला हुआ या हल्का पकाया गया अंडा ज्यादा लाभकारी माना जाता है।

सुविचार

‘आत्मविश्वास ही सफलता की पहली सीढ़ी है।’

–अज्ञात

निशाना

डूबी ज़ब कश्ती..!

कुमार अखिलेश

स्वर्ग से भी बढ़कर तुमको वतन प्यार दिया है,
ईश्वर ने यह अनुपम उपहार न्यारा दिया है।
डूबी जब कश्तियां अमीर-ए-शहर की,
तब गरीबे-ए-शहर ने ही किनारा दिया है।
आसमान वालों ने जब दिया है धोखा,
तब ज़मीन वालो ने ही सहारा दिया है।
अपनों ने जब जब ठुकराया है तुमको,
तब गैरों ने ही साथ तुम्हारा दिया है।
बना लो अपना मुकाम आसमां पर तुम भी,
की तुम्हें उड़ने के लिए जहान सारा दिया है।
मिले कितने मीठे दरिया समंदर में जाकर,
फिर भी इसने नीर तुमको खारा दिया है।
मिटाकर सब कुछ अपना चमन के खातिर,
शहीदों ने तुमको गुलशन- ए- बहारा दिया है।
बुझाकर अपने चरागों को वतन की खातिर,
माओं ने तुमको चमकता सितारा दिया है।

यूजर्स गाइड

फोन कवर में पैसे और कार्ड रखते हैं तो हो जाएं सावधान, ख़राब हो सकता है फोन

आजकल स्मार्टफोन तो हर किसी के पास है और इसे सुरक्षित रखने के लिए लोग बैक कवर का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कुछ लोग इसे वॉलेट की तरह इस्तेमाल करते हैं और बैक कवर में पैसे या एटीएम-मेट्रो कार्ड रख देते हैं। यह सुविधा के लिए अच्छा लगता है, जैसे जब पैसे या कार्ड चाहिए हों तो तुरंत निकाल लिए जाएं। लेकिन यह आदत फोन के लिए बहुत नुकसानदायक साबित हो सकती है। फोन ज्यादा गर्म हो सकता है। नेटवर्क में दिक्कत आ सकती है और कार्ड भी खराब हो सकता है। खासकर गर्मियों में यह ज्यादा खतरनाक हो जाता है, क्योंकि फोन जल्दी गर्म होता है। इस आदत से फोन की परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है और आपकी सेफ्टी को भी खतरा हो जाता है।

किड्ज हेराल्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, स्मार्टफोन इस्तेमाल करते वह हीट करता है। जब हम फोन में गेम खेलते हैं, वीडियो देखते हैं या लंबे समय तक इंटरनेट चलाते हैं, तो फोन का प्रोसेसर ज्यादा काम करता है। उससे गर्मी पैदा होती है। अगर एक हीट होने वाले फोन के बैक कवर में पैसे या कार्ड रखे हों, तो उससे फोन की हीट बाहर नहीं निकल पाती और फोन और ज्यादा गर्म हो जाता है। इससे बैटरी पर बुरा असर होता है और बहुत ज्यादा गर्मी से फोन खराब हो सकता है। फोन की लाइफ कम हो जाती है और परफॉर्मेंस भी धीमी पड़ जाती है। चार्जिंग के समय यह समस्या और बढ़ जाती है।

नेटवर्क और सिग्नल में दिक्कत: कई स्मार्टफोन्स में एंटीना ऊपरी हिस्से में होता है। ऐसे में फोन बैक कवर में कार्ड या पैसे रखने से डिवाइस में सिग्नल ठीक से नहीं आ पाते। बैंक और मेट्रो कार्ड में लगी चिप या मेग्नेटिक स्ट्रिप की वजह से सिग्नलों में रुकावट पैदा होती है। इससे कॉल ड्रॉप होती है। इंटरनेट धीमा चलता है और नेटवर्क कमजोर हो जाता है। अगर आप फोन के बैक कवर में पैसे-कार्ड रखते हैं और डिवाइस में नेटवर्क की समस्या से जूझते हैं तो इसकी वजह फोन के बैक में रखे कार्ड-पैसे हो सकते हैं। आपको यह आदत छोड़ देनी चाहिए।

कार्ड और पैसों को भी नुकसान: फोन के कवर में पैसे या कार्ड रखने से उन पर भी बुरा असर हो सकता है। फोन की गर्मी से कवर में रखे हुए नोट मुड़ सकते हैं। फट सकते हैं या उनका कलर उड़ सकता है। क्रेडिट या डेबिट कार्ड की मैग्नेटिक स्ट्रिप खराब हो सकती है, जिससे कार्ड काम नहीं करेगा। कुछ मामलों में वायरलेस चार्जिंग भी प्रभावित होती है।

अजब गजब

बिहार में है कुंवारों का एक ऐसा गांव, जहां शादी की उम्मीद में बूढ़े हो गए हैं लोग

दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं जो अपनी अनोखी वजहों से पहचान बना लेती हैं। कहीं किसी खास पकवान के लिए नाम होता है, तो कहीं किसी अजीब परंपरा के कारण। भारत में भी ऐसे कई गांव हैं, जिनकी कहानियां चौंकाने वाली हैं। बिहार में एक ऐसा ही गांव है, जिसे लोग ‘कुंवारों का गांव’ कहते हैं। बिहार की राजधानी पटना से करीब 300 किलोमीटर दूर स्थित बरवां कलां गांव की सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यहां पिछले लगभग 50 सालों से शादियां नहीं के बराबर हुई हैं। ऐसा नहीं है कि यहां के युवकों की शादी करने की इच्छा नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक सामाजिक और व्यावहारिक समस्या जुड़ी हुई है।

दरअसल, बरवां कलां गांव में बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी है। सड़क, शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य जैसी जरूरी सुविधाएं न होने की वजह से दूसरे गांवों के लोग यहां अपनी बेटियों की शादी करने से कतराते हैं। गांव की आर्थिक स्थिति भी कमजोर है, जिससे रिश्ते तय होना मुश्किल हो जाता है। साल 2017 में एक बार यहां शादी की शहनाई गूंजी थी, जिससे लोगों को उम्मीद जगी, लेकिन हालात नहीं बदले। आज भी यहां के कई युवक बिना शादी के जीवन बिताने को मजबूर हैं, और गांव अपनी इसी अनोखी पहचान के लिए जाना जाता है।

सालों से यहां के लड़के कुंवारे: इस गांव को लोग ‘कुंवारा गांव’ के नाम से जानते हैं। इस गांव की पहचान सालों से कुंवारे रह रहे युवकों की वजह से बनी है। अगर आप सोच रहे हैं कि यहां के लड़के बाल ब्रह्मचारी हैं या शादी नहीं करना चाहते, तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। हकीकत ये है कि गांव के लड़के शादी करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें रिश्ते नहीं मिल पा रहे। गांव वालों का कहना है कि बुनियादी सुविधाओं की कमी, शिक्षा, रोजगार, सड़क, स्वास्थ्य और अन्य व्यवस्थाओं का अभाव इसकी सबसे बड़ी वजह है। इन्हीं कारणों से कोई भी लड़की या उसका परिवार यहां शादी करने के लिए तैयार नहीं होता।

यह गांव काफी पिछड़ा हुआ है, जहां सड़क, पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। इसके अलावा गांव में स्कूल और शिक्षा की व्यवस्था भी कमजोर है, जिससे लोग यहां अपनी बेटियों की शादी करने से कतराते हैं। साल 2017 में भी जो आखिरी शादी गांव में हो सकी थी, उसके लिए गांव वालों को काफी मेहनत करनी पड़ी थी। वर्षों बाद शहनाई बजने पर पूरा गांव खुशी से झूम उठा था।

न्यूज विंडो

कुशवाह समाज की बैठक में नशामुक्ति को लेकर की चर्चा

सिरोंज। शहर में कुशवाह समाज की बैठक हुई। जिसमें समाज में युवाओं को शिक्षा के प्रति जागरूक करने तथा नशामुक्ति को लेकर कार्ययोजना बनाने पर चर्चा हुई। बैठक में जिलाध्यक्ष राकेश कुशवाह ने समाज में शिक्षित युवाओं को स्वरोजगार के प्रति जागरूक करने तथा युवतियों और महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई के साथ ही कम्प्यूटर संबंधी प्रशिक्षण की आवश्यकता बताई। उन्होंने ग्रामीण इलाकों में पहुंचकर समाज का संगठन खड़ा करने की बात भी कही। इस अवसर पर इंदरसिंह कुशवाह, सचिन कुशवाह, नथन सिंह कुशवाह, दिमानसिंह कुशवाह, रामबाबू कुशवाह तथा चरणसिंह कुशवाह आदि मौजूद थे।

संत रविदास और शिवाजी बस्ती में निकाली कलश यात्रा

सिरोंज। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे हिन्दू सम्मेलनों की श्रृंखला में संत रविदास बस्ती और शिवाजी बस्ती में कलश यात्रा निकाली गई। दोनों ही कलश यात्राओं में बस्ती की अनेक महिलाओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर वक्ताओं ने हिन्दू सम्मेलनों के महत्व पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे।

वाजपेयी की जयंती पर निर्मित रोड का नाम होगा अटल मार्ग

शहडोल। नगर पालिका परिषद् धनपुरी द्वारा स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी के शताब्दी जन्म दिवस के अवसर पर वार्ड 1,2,3 के मध्य अमरकंटक रोड़ किषोर इंजीनियरिंग वर्क्स से कालेज धनपुरी एवं बुढ़ार सीमा बालिका छात्रावास से सरईकापा रोड़ सीमा तक माडल रोड़ का नाम अटल मार्ग नामकरण के षिलालेख का अनावरण किया गया है। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयसिंह मरावी, विधायक, विधानसभा क्षेत्र जैतपुर, कार्यक्रम की अध्यक्षता रविन्दर कौर छाबड़ा, अध्यक्ष, न.पा.परि. धनपुरी, विषिष्ट अतिथि सभापति नीतू सोनकर, भोला प्रसाद पनिका, आनन्द कचेर, प्रवीण बड़ोलिया, नारायण जायसवाल, पार्षद्गण - विजय यादव, स्कंद कुमार सोनी, एवं पूर्व पार्षद् अरविन्द सिंह, कालीचरण चौधरी, इब्राहम, षिक्षक प्रवीण त्रिपाठी, घनष्याम मिश्रा, मोहन सोनी, आषीष राय, आसू जायसवाल, कैलाष सोनकर, एवं अन्य वरिष्ठ नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयसिंह मरावी, विधायक, विधानसभा क्षेत्र जैतपुर, द्वारा अटल बिहारी वाजपेयी जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया।

जेल में 250 रुपए में बिक रहा गुटका और बीड़ी, कैदियों से अवैध वसूली

छतरपुर। जिला जेल से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वीडियो में जेल के अंदर कैदियों को सामान पहुंचाते हुए दिखाया गया है। वायरल वीडियो में एक महिला जेल प्रहरी पुष्पा अहिरवार दिख रही है, जबकि एक आदमी एक कैदी का नाम लेते हुए और सामान पहुंचाने के बदले पैसे देते हुए दिख रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद सतना सेंट्रल जेल के सुपरिटेंडेंट ने देर रात कार्रवाई की। वीडियो में बातचीत के दौरान यह बात सामने आ रही है कि कैदियों को गुटखा 250 रुपये में और बीड़ी का बंडल भी 250 रुपये में देने की बात सुनाई देती है। बताता जा रहा कि इसके अलावा अन्य सामान बाजार मूल्य यानी एमआरपी से करीब 50 प्रतिशत अधिक दाम पर बेच रहे। वीडियो में दिखाई दे रहा व्यक्ति महिला जेल प्रहरी से कैदी का नाम बताकर सामान भेजने का अनुरोध करता है। इसके बाद वह रुपए देता नजर आता है। यह वीडियो कब का है और यह वास्तव में छतरपुर जिला जेल का ही है या नहीं, इसकी अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। इस पूरे मामले पर जेल प्रशासन से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन फोन अटेंड नही हुए। ताजा जानकारी के अनुसार, वीडियो वायरल होने के बाद महिला जेल प्रहरी पुष्पा अहिरवार को तत्काल संज्ञान में लेकर सतना सेन्ट्रल जेल अधीक्षक ने निलंबित कर सतना सेंट्रल जेल अटैच किया है। देर रात 24 दिसंबर को आदेश जारी किया गया। छतरपुर जेलर दिलीप सिंह ने दी निलंबन की जानकारी।

अभ्युदय मध्य प्रदेश ग्रोथ समिट: इटारसी में विधायक शर्मा ने उद्योगपतियों को किया संबोधित

नर्मदापुरम संभाग में 30 नई औद्योगिक इकाइयों का भूमि पूजन, 45 हजार करोड़ का आएगा निवेश

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर में आयोजित अभ्युदय मध्य प्रदेश ग्रोथ समिट के दौरान नर्मदापुरम संभाग की 30 नई औद्योगिक इकाइयों का भूमि पूजन किया। इन परियोजनाओं से लगभग 45,500 करोड़ रुपये का निवेश आएगा और 18,000 लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। समिट में कुल 2.15 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का भूमि पूजन व लोकार्पण हुआ।

जिले के इटारसी में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'क्षेत्र में निवेश के लिए सभी उद्योगपतियों को हार्दिक धन्यवाद। आपके निवेश से नर्मदापुरम संभाग में शीघ्र ही विकास के पंख लगेंगे। देश-विदेश से आने वाले उद्योगपतियों को जिले में सभी सुविधाएं एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। मैं सभी उद्योगपतियों से अधिक से अधिक निवेश करने का आह्वान करता हूं। 'उन्होंने मैसर्स भगवती एग्रो केम प्राइवेट लिमिटेड के योगेश कुमार गुप्ता को तथा मेसर्स रिच फॉर्म एक्सपोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के शिवभूषण को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।वही कलेक्टर सोनिया मीना ने नर्मदापुरम संभाग के उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि नर्मदापुरम जिले में रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव आयोजित हुआ, जहां उद्योगों के अवसर दिए गए। आने वाले दिनों में नवकरणीय ऊर्जा और मैन्युफैक्चरिंग पर विशेष फोकस रहेगा।मुहासा और बाबई में फेज-1 एवं फेज-2 का कार्य तेजी से चल रहा है। देश-विदेश से उद्योगपति उपकरण मैन्युफैक्चरिंग के लिए निवेश कर रहे हैं।जिला प्रशासन देश-विदेश से आने वाले निवेशकों को सभी फैसिलिटी मुहैया करा रहा है–भूमि अर्जन, आवंटन, बेसिक सुविधाएं और आधारभूत ढांचा।पिछले 2 वर्षों में 24 नई इकाइयां स्थापित हुई है इसमें, 640 करोड़ निवेश हुआ है और 700अधिक लोगो को रोजगार मिला है। नर्मदापुरम संभाग की 30 नई इकाइयों से 45,500 करोड़ निवेश और 18,000 रोजगार सृजित होंगे। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष राधाबाई पटेल, सीईओ हिमांशु जैन, समेत कई अधिकारी व उद्योगपति उपस्थित रहे। कलेक्टर ने रोजगार सृजन में उत्कृष्ट योगदान के लिए मयंक दुदानी, राहुल मित्तल, एस.बी. पांडे, नितिन कन्या लाल सावलानी, मनदीप सिंह का सम्मान किया।

इनको भी दिए प्रशंसा पत्र....

कार्यक्रम में जिला पंचायत की अध्यक्ष राधा बाई पटेल, सीईओ हिमांशु जैन, संयुक्त आयुक्त विकास जीसी दोहर, एमपीआईडीसी के मुख्य महाप्रबंधक जय श्रीवास्तव, राजीव शर्मा, प्रबंधक वैभव गुप्ता, कनिष्ठ यंत्री शंभू सिंह, जीएम डीआईसी प्रकाश इंदौरे, मेघा सुमन, बैतूल की असिस्टेंट मैनेजर प्रियंका पाटिल, उद्योग संघ के अध्यक्ष आशीष अखिलेश तायवाड़े, इटारसी औद्योगिक संघ के अध्यक्ष मोहन खंडेलवाल, किशनपुरा अध्यक्ष श्रीरामचंद्र नवलानी,, बैतूल पांडे को प्रशंसा पत्र दिए हैं।

मां रेवा सुर संगम मंच पर सजी 'एक शाम मोहम्मद रफ़ी के नाम' की महफिल, बड़ी संख्या में उमड़े दर्शक

महेश्वर। दोपहर मेट्रो

मां रेवा सुर संगम मंच द्वारा बुधवार को नगर की वल्लभ विहार कॉलोनी फेस 2 में एक शाम मोहम्मद रफ़ी के नाम संगीतमय कार्यक्रम निशा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रफ़ी साहब के सदाबहार गीतों की प्रस्तुतियों ने संगीत प्रेमियों को भावनाओं से भौर विभोर कर दिया और पुराने स्वर्णिम संगीत युग की यादें ताजा कर दीं। सुरों, तालियों और श्रोताओं की भावुक प्रतिक्रियाओं से पूरा माहौल संगीतमय बना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत 7 वर्षीय बालक प्रियांशु गाडगे की मीठी और भावपूर्ण आवाज़ से हुई। नन्हे कलाकार की आत्मविश्वास भरी प्रस्तुति ने शुरुआत में ही श्रोताओं का मन मोह लिया। इतनी कम उम्र में प्रियांशु की सुर-लय और भाव-प्रस्तुति को सभी ने सराहा।

इसके बाद मंच पर आए कलाकारों ने एक के बाद एक मोहम्मद रफ़ी के अमर गीतों को अपनी आवाज़ में प्रस्तुत कर गीतांजलि अर्पित की। सुनील गाडगे, अजय भालसे, गोलू शर्मा, मुकेश कौशल, संदीप सराफ, विशाल तारे, मुकेश हिरवे, शाहिद खान, केशव जोशी, वंशिका बारचे और जितेंद्र सोनी ने अपनी-अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुहानी रात ढल चुकी, चाहूँगा मैं तुझे साँझ सवेरे, क्या हुआ तेरा वादा और ये रेशमी जुल्फ़ें, चलो रे डोली उठाओ कहार जैसे गीतों पर श्रोता भावविभोर हो उठे और हर प्रस्तुति पर तालियों की गूंज सुनाई देती रही। इस अवसर पर मां रेवा सुर संगम मंच के सदस्य सुनील गाडगे ने बताया कि मोहम्मद रफ़ी भारतीय संगीत इतिहास के ऐसे महान गायक थे, जिन्होंने हर शैली में अपनी अद्वितीय छाप छोड़ी। भजन, गजल, रोमांटिक, देशभक्ति और शास्त्रीय गीतों में उनकी गायकी आज भी बेमिसाल मानी जाती है। 31 जुलाई 1980 को 55 वर्ष की आयु में उनके निधन के बावजूद उनकी आवाज़ आज भी संगीत प्रेमियों के दिलों में जीवित है और नई पीढ़ी के गायकों को प्रेरित कर रही है। कार्यक्रम में संगीत श्रोताओं के रूप में मनोज गौड, मनोज शर्मा, कार्तिक जोशी, डॉ. विकास डोंगरे, कमल राठौर, हरिनारायण पाटीदार, डॉक्टर तारे, वासुदेव पाटीदार, प्रोफेसर सुनील साठे सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष संगीत प्रेमी मौजूद रहे। सभी ने कलाकारों की प्रस्तुतियों की सराहना की और पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह बनाए रखा।

प्रारूप मतदाता सूची का हुआ प्रकाशन

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम एसआईआर अंतर्गत निर्वाचन आयोग द्वारा पूर्व निर्धारित निर्देशों के पालन में विगत दिनों 145 बासौदा विधानसभा क्षेत्र में प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन संबंधित सभी 278 मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारी द्वारा किया गया। इसके पूर्व राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में एक बैठक का आयोजन पटवारी सभागृह में किया गया जिसमें सभी को प्रारूप-5, मतदाता सूची के प्रकाशन, फॉर्म 6,7,8 तथा अनुलग्नक-4 संबंधित जानकारियों से अवगत कराया गया। सभी बीएलओ को प्रारूप मतदाता सूची सौंपकर मतदान केंद्रों पर रवाना किया गया।

इस अवसर पर भाजपा की ओर से जितेंद्र मैना, सुरेन्द्र शर्मा पिंकू महाराज, नीलेश मीणा, नीरज यादव, कांग्रेस की ओर से प्रकाश मिश्रा, बीडी शर्मा, बहुजन समाज पार्टी की ओर से दिनेश अहिरवार तथा आम आदमी पार्टी की ओर से देवेंद्र केवट सहित सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अरविंद यादव, नायब तहसीलदार अनुराग रावत,मुख्य कार्यपालन अधिकारी तपस्या जैन, मुख्य नगर पालिका अधिकारी रवि प्रकाश श्रीवास्तव, मास्टर ट्रेनर अभय कुमार शर्मा, अजय शर्मा, संजीव टंडन,अरविन्द भास्कर,संदेश मिश्रा, संजय अहिरवार, सहित बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर उपस्थित थे।

25 सदस्यीय जत्था जयपुर रवाना

गंजबासौदा। पूज्य सिंधी पंचायत का 25 सदस्यीय जत्था जयपुर के अमरापुर दरबार के गुरु महाराज श्री भगत प्रकाश को गंजबासौदा आने के लिए आमंत्रित करने के लिए भोपाल संत हिरदाराम नगर रवाना हुआ। गुरु महाराज का आगमन संत हिरदाराम नगर में हो रहा है। उल्लेखनीय है कि गुरु महाराज का आगमन प्रत्येक वर्ष भोपाल बैरागढ़ सहित इंदौर उज्जैन होता है उनके सेवकों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। आमंत्रण करने इस जत्थे में सत्यपाल तनवानी हेमन दास मंगवानी प्रदीप खटवानी सुरेश तनवानी राकेश कटारिया संजय वासवानी नरेश कटारिया दीपू घिघानी दिलीप उधाणी दीपू बलेचा राकेश तनवानी अनिल वासवानी सहित बड़ी संख्या में माताएं बहनें शामिल थे।

रक्त सेवा समिति ने कार्यकर्ताओं का किया सम्मान

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

स्थानीय वेदांत आश्रम जीवाजीपुर में रक्त सेवा समिति का वार्षिक परिवार मिलन समारोह व वरिष्ट कार्यकर्ताओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया इस अवसर पर सेवा समिति के 25 वर्षों के उत्कृष्ट कार्यों की एक पत्रिका जीवन लय का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय अधिकारी शिवनारायण सिंह , समिति के संस्थापक राजेश तिवारी, वेदांत आश्रम के महंत हरिहर दास , नपा अध्यक्ष शशि अनिल यादव, वरिष्ट समाजसेवी कांति भाई शाह, विमल चंद्र ओसवाल ने भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर विधि विधान से पूजन अर्चन के साथ किया शुभारंभ के अवसर पर वेदांत आश्रम के बटुकों ने वेद मंत्र उच्चारित किए।

आयोजित भव्य आयोजन में समिति के वरिष्ट सदस्य अयोध्या प्रसाद दीक्षित, महेंद्र जैन बड़कुल, ऋषभ कुमार जैन का सम्मान किया गया। तत्पश्चात बेतवा की राहें पुस्तक के विशेषांक जीवन लय का लोकार्पण उपस्थित अतिथियों ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय अधिकारी शिवनारायण सिंह ने कहा कि क्षेत्र में सेवा समिति का कार्य अनुकरणीय है रक्तदान से बड़ा कोई और दान जीवन में नहीं है। पिछले 25 वर्षों से सेवा समिति ने रक्त दान के प्रति समाज में फैली भ्रांतियों को दूर किया है। इस अवसर पर वेदांत आश्रम के महंत हरिहर दास ने कहा कि समिति के संस्थापक तिवारी ने रक्त सेवा समिति के माध्यम से तो समाज सेवा की ही अपितु विश्व हिंदू परिषद सहित अनेक माध्यमों से सेवा कार्य किया है । कार्यक्रम के प्रारंभ में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत शाल श्रीफल व माला पहनाकर किया गया व स्वागत भाषण समिति के सचिव अनिल दुबे के द्वारा किया गया। दुबे ने समिति के अनुकरणीय कार्यों को विस्तार से बताया कार्यक्रम का संचालन रविन्द्र जैन ने किया तो आभार व्यक्त समिति के अध्यक्ष राकेश जैन विद्युत के द्वारा व्यक्त किया गया।

मेट्रो एंकर

सुशासन सप्ताह के अंतिम दिन जनसमस्या निवारण और रक्त शिविर का किया आयोजन

समस्याओं के आए 45 आवेदन, मौके पर एक का भी नहीं हो सका निराकरण

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

सुशासन सप्ताह के अंतिम दिन बासौदा नाका चौराहे पर आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नपा, जनपद, महिला एवं बाल विकास विभाग, पीएचई और बिजली कंपनी के काउंटरों पर 45 लोगों ने अपने समस्या संबंधी आवेदन दिए। इनमें से किसी का भी मौके पर निराकरण नहीं हो सका। एसडीएम हरिशंकर विश्वकर्मा ने सभी विभागीय अधिकारियों से आवेदनों का निराकरण करने के बाद अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। शिविर स्थल पर स्वास्थ्य केम्प भी लगाया गया। समस्या निदान की तुलना में अपने स्वास्थ्य की जांच करवाने आने वाले लोगों की संख्या ज्यादा रही। इस दौरान 450 लोगों ने अपने स्वास्थ्य परीक्षण करवाया। महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच के लिए अलग से टेंट लगाया गया था। यहां पर 2 महिला डॉक्टर मौजूद थीं। जिसके चलते खासी संख्या में महिलाओं ने इस जांच शिविर का फायदा लिया। शाम 4 बजे तक चले इस शिविर में सभी विभागों के कांउटर लगाए गए थे। हालांकि अधिकांश समय कुर्सिया खाली ही पड़ी रहीं।

शिविर स्थल पर जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया था। यहां खड़ी ब्लड बैंक की गाड़ी में एसडीएम हरिशंकर विश्वकर्मा और सीएमओ रामप्रकाश साहू के साथ ही 25 लोगों ने रक्तदान किया। इनमें 3 महिलाएं भी शामिल थी। सभी रक्तदाताओं को जिला चिकित्सालय प्रबंधन द्वारा प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। इस दौरान बीएमओ नीरज पंथी ने मौजूद जनसमुदाय को नियमित रक्तदान के महत्व से भी अवगत कराया।

नपाध्यक्ष ने दी विकास कार्यों की जानकारी

शिविर का शुभारंभ नपाध्यक्ष मनमोहन साहू ने किया। मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यो की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विधायक उमाकांत शर्मा के मार्गदर्शन में शहर का चहुंमुखी विकास किया जा रहा है। विकास का यह सिलसिला लगातार चलेगा। सीएमओ रामप्रकाश साहू ने केन्द्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नागरिकों को जन्म प्रमाण पत्र और मृत्यु प्रमाण पत्र समय पर प्रदान करने की कोशिश हमने की है। इस अवसर पर पूर्व नपाध्यक्ष संतोष चौरे, रूपेश यादव, तोषमणी पंथी, टीकाराम शाक्य, रिंकू यादव, अजमल शेर खान, बलजीत यादव, नरेन्द्र पाटीदार, राजा मियां के साथ ही अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

टाइगर रिजर्व में यूरोप और अफ्रीका से आए 170 किस्म के प्रवासी पक्षी, निहार रहे सैलानी

विशाल रजक। तेंदूखेड़ा

वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व का वातावरण प्रवासी पक्षियों को पसंद आ रहा है। सर्दी के सीजन में यहां बड़ी संख्या में देश और विदेशी पक्षियों ने अपना डेरा जमा लिया है। रिजर्व के अफसरों का कहना है यह तीन से चार हजार किमी तक की दूरी तय कर प्रवासी पक्षी रिजर्व पहुंच रहे हैं। इस बार फिर से ठंड के मौसम में इन प्रवासी पक्षियों का पहुंचना शुरू हो गया है ये टाइगर रिजर्व के तालाब और नदियों के कुंड के आसपास आसानी से देखे जा सकते हैं रिजर्व में बाघों के साथ-साथ देखने और घूमने के लिए बहुत कुछ है। खासकर सर्दी के सीजन में नए साल की छुट्टियों के दौरान यहां धूप सेंकते बाघों और दूसरे वन्य जीवों के अलावा आप देश-विदेश के पक्षियों को उड़ान भरते, फुदकते और चहचहाते हुए देख सकते हैं रिजर्व में 170 स्थानीय प्रजातियों के पक्षी मौजूद हैं। सर्दी के मौसम में यहां विदेशी पक्षी भी काफी संख्या में पहुंचते हैं। खासकर प्रवासी

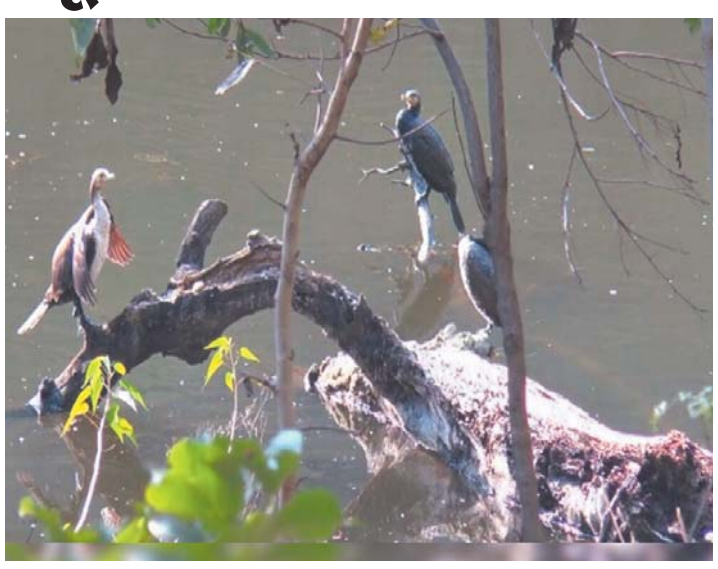

पक्षी देश और दुनिया के उन इलाकों से आते हैं, जहां सर्दी के मौसम में काफी ठंड और बर्फवारी के हालात बन जाते हैं. हिमालय से लेकर यूरोप और अफ्रीका के पक्षी यहां कई हजारों किमी का सफर तय करके पहुंचते हैं। यहां की नदियां, तालाब और उनके आसपास के मैदान उनकी पसंदीदा जगह होते हैं। इनमें हिमालयन ग्रिफन, पेंटेड स्टार्क, ब्लैक और यूरोप, एशिया और अफ्रीका में पाये जाने वाला ग्रे हेरान भी आसानी से नजर आ जाते हैं।

नौरादेही टाइगर रिजर्व में प्रवासी पक्षियों के अलावा यहां 170 स्थानीय प्रजातियों के पक्षी पाए जाते हैं। स्थानीय प्रजातियों में बाज, गिद्ध, सारस, एग्रेट्स, स्टोर्क्स, फ्लाई कैचर्स, मैना, कबूतर, कोयल, उल्लू, तीतर और बटेर काफी संख्या में पाए जाते हैं। नौरादेही टाइगर रिजर्व देशी और विदेशी गिद्धों का पसंदीदा ठिकाना है. यहां पर सर्दियों के मौसम में 7 प्रजातियों के गिद्ध देखने मिल जाते हैं। खासकर हिमालय ग्रिफन गिद्ध काफी संख्या में यहां पहुंचते हैं. हिमालय के अलवा तिब्बत, अफगानिस्तान और तुर्केमिस्तान से भी गिद्ध पहुंचते हैं। ये गिद्ध काफी बड़ा और पीले रंग का होता है। हिमालयन ग्रिफन आज से नहीं पिछले कई सालों से सर्दियों के मौसम में काफी संख्या में आ रहे हैं।

प्रवासी पक्षियों की पसंदीदा जगह है नौरादेही

जहां तक नौरादेही टाइगर रिजर्व की बात करें, तो प्रदेश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है और टाइगर रिजर्व बनने से पहले ही यहां प्रवासी पक्षी पिछले कई सालों से लगातार आते हैं। दरअसल यहां की जलवायु इसका सबसे बड़ा कारण है। यहां की जलवायु उष्णकटिबंधीय जलवायु है। आमतौर पर यहां मई का महीना काफी गर्म और जनवरी सबसे ठंडा होता है। लेकिन प्रवासी पक्षियों के लिए उन इलाकों से काफी बेहतर होता है, जहां सर्दियों में भारी सर्दी और बर्फवारी होती है। यहां मौजूद तालाब और 2 नदियों के किनारे इन पक्षियों के प्रमुख ठिकाने हैं। नौरादेही टाइगर रिजर्व का छेवला तालाब तो प्रवासी पक्षियों की पसंदीदा जगह है। इसके अलावा जगरासीखेड़ा तालाब और बमनेर और व्यारमा नदी किनारे प्रवासी पक्षियों के झुंड देखने मिल जाएंगे।

बगुले भी कर रहे हैं आकर्षित

प्रवासी गिद्धों के अलावा दूसरे प्रवासी पक्षी काफी संख्या में पहुंचते हैं। यहां वुली नेक्ड स्टार्क, पेंटेड स्टार्क सर्दियां बिताने काफी संख्या में पहुंचते हैं। इसके अलावा ब्लैक स्टार्क का ये प्रजनन काल भी होता है और ये भी काफी संख्या में नजर आते हैं। इसके अलावा यूरोप और अफ्रीका के ग्रे हेरान यहां देखे जा सकते हैं। इसके अलावा यहां ग्रेब भी काफी संख्या में पहुंच चुके हैं, जिन्हें स्थानीय भाषा में लोग पनडुब्बी कहते हैं. इस बार की सर्दियों में यहां कॉमन विसलिंग डक काफी संख्या में पहुंचते हैं। इनकी सीटी लोगों को काफी लुभाती है। यहां के तालाबों में बगुले भी काफी संख्या में इस बार नजर आ रहे हैं

न्यूज विंडो

अटलविहारी वाजपेयी की जयंती पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

मंडीदीप। वार्ड 12 में आयोजित कार्यक्रम में माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित कर अटलविहारी बाजपेयी के जीवन पर प्रकाश डाला। भाजपा ने वरिष्ठ कार्यकर्ता लक्ष्मी नारानायण सेन व डाक्टर श्रीवास्तव का सम्मान स्वागत किया गया। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा जिला महामंत्री श्री दीपेंद्र पाल जिला मंत्री व पार्षद प्रार्थना चौहान जिला उपाध्यक्ष युवा मयंक शर्मा भाजपा मंडल सह कोषाध्यक्ष व बूथ अध्यक्ष घनश्याम गोस्वामी मंडल मंत्री सुधा राठौर युवा नेता संयम जैन हेमा तिवारी, बूथ अध्यक्ष डाक्टर आरपी मिश्रा देवेंद कुशवाह एव भाजपा के बूथ के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अव्यवस्था के कारण गुड़ की बोली तीन घंटे देर से शुरू, किसान होते रहे परेशान

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर कृषि उपज मंडी में किसानों को अव्यवस्था का सामना करना पड़ रहा है। अनाज के उठाव में देरी और परिसर में फैले अनाज के कारण गुड़ की बोली तीन घंटे देर से शुरू हुई, जिससे किसानों और व्यापारियों दोनों को नुकसान हुआ। देर रात से ही किसान अपनी उपज लेकर मंडी पहुंचने लगे थे। हालांकि, अनाज का समय पर उठाव न होने के कारण मंडी परिसर में जगह-जगह अनाज फैल गया। इससे रास्ते संकरे हो गए और वाहनों की आवाजाही में बाधा उत्पन्न हुई।

खेल महोत्सव समापन के बाद छह महिला खिलाड़ी बीमार हुईं, अस्पताल में भर्ती

कटनी। जिले की छह महिला खिलाड़ी बीमार पड़ने से हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार पन्ना जिला मुख्यालय में आयोजित सांसद खेल महोत्सव के समापन समारोह के बाद देर शाम हुई इस घटना के बाद सभी खिलाड़ियों को कटनी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, कटनी जिले से लगभग 40-50 खिलाड़ी पन्ना में आयोजित प्रतियोगिता में शामिल होने गए थे। कबड्डी खिलाड़ी साहिब खान ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान एक साथी की तबीयत बिगड़ी थी, जिसका इलाज पन्ना में ही कराया गया। हालांकि, जब टीम बस से कटनी के लिए रवाना हुई, तो रास्ते में अन्य खिलाड़ियों की हालत भी बिगड़ने लगी। उन्हें उल्टी और पेट दर्द की शिकायत हुई, जिसके बाद उन्हें सीधे कटनी जिला अस्पताल ले जाया गया।

व्यापार मेले के वॉशरूम में छुपकर बनाया महिला का 'प्राइवेट वीडियो' हुआ वायरल

सतना। शहर से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां बीटीआई ग्राउंड में आयोजित विंध्य व्यापार मेले से एक शर्मनाक करतूत का खुलासा हुआ है। मेले में बने महिला शौचालय से किसी ने युवती का आपत्तिजनक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। जिसके बाद हड़कंप मच गया। जैसे ही आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। उसके बाद मेला प्रबंधन में हड़कंप मच गया। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मेला प्रबंधन के सदस्यों ने कोलगवां थाने में असामाजिक तत्वों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है। पुलिस के द्वारा साइबर सेल की मदद से वीडियो बनाने वाले की जांच कर रही है कि आखिर वीडियो कहां से लीक किया गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए विंध्य चैंबर ऑफ कॉमर्स (मेला आयोजक) हरकत में आया और देर रात कोलगवां थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में वीडियो बनाने और वायरल करने वाले अज्ञात आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

न्यू जोन एवं टोरंटो कंपनी पर गंभीर सवाल

किसानों की भूमि पर लगे पेड़ों को काटा और मुआवजा भी नहीं दिया

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र के किसानों ने आरोप लगाया है कि न्यू जोन एवं टोरंटो कंपनी द्वारा उनकी कृषि भूमि पर वर्षों से लगे पेड़ों का उचित मुआवजा नहीं दिया गया। किसानों का कहना है कि परियोजना कार्यों के दौरान उनकी जमीन पर मौजूद सागौन, नीम, महुआ और फलदार पेड़ों को काट लिया गया, लेकिन इसके बदले उन्हें एक भी रुपया नहीं मिला। इससे गरीब और छोटे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। किसानों के अनुसार पेड़ उनकी आजीविका का अहम साधन थे। कई परिवार इन्हीं पेड़ों से मिलने वाली लकड़ी, फल और अन्य उत्पादों पर निर्भर थे। मुआवजा न मिलने से उनकी आय का स्रोत छिन गया, जबकि कंपनियों ने इन पेड़ों का व्यावसायिक उपयोग कर लाभ कमाया। किसानों का आरोप है कि यह पूरा मामला मुफ्त में पेड़ लेकर गरीबों को लूटने जैसा है।

ग्रामीणों का कहना है कि भूमि अधिग्रहण या परियोजना स्वीकृति के समय नियमों के अनुसार पेड़ों का अलग से मूल्यांकन कर मुआवजा दिया जाना चाहिए था। इसके बावजूद कंपनियों ने न तो पारदर्शी सर्वे कराया और न ही किसानों से लिखित सहमति ली। कई किसानों ने अधिकारियों से शिकायत भी की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय किसान संगठनों ने इस मुद्दे पर नाराजगी जताते हुए प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही उचित मुआवजा नहीं दिया गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। संगठनों ने मांग की है कि पेड़ों की संख्या और उम्र के अनुसार वर्तमान बाजार दर पर मुआवजा तय

किया जाए और प्रभावित किसानों को तुरंत भुगतान हो। प्रशासनिक स्तर पर मामले की जांच की बात कही जा रही है, लेकिन किसानों को अब भी न्याय का इंतजार है। यह प्रकरण न केवल किसानों के अधिकारों पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि विकास परियोजनाओं में सामाजिक न्याय और पारदर्शिता की आवश्यकता को भी उजागर करता है।

रेत उत्खनन के लिए बने रैंप और रास्तों को किया ध्वस्त

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

खनिज विभाग ने नदियों में अवैध रेत उत्खनन के लिए बनाए गए रैंप और रास्तों को ध्वस्त करना शुरू कर दिया है। इस कार्रवाई से विभाग की सक्रियता पर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि आरोप है कि पहले इन अवैध निर्माणों की अनदेखी की गई। जानकारों की मानें तो नदियों में रेत के अवैध उत्खनन के लिए बनाए गए ये रैंप एक दिन या एक हफ्ते में नहीं बने हैं। इन रैंपों के निर्माण में सीमेंट के पाइपों का उपयोग किया गया है, जिससे स्पष्ट है कि इन्हें बनाने में काफी समय लगा होगा और इनके माध्यम से बड़े पैमाने पर अवैध रेत का उत्खनन किया गया है। इसी क्रम में, खैरलांजी के चिचोली में बावनथड़ी नदी से अवैध रेत खनन और परिवहन की शिकायतों के बाद खनिज विभाग के अमले ने कार्रवाई की। खैरलांजी पुलिस और पंचायत प्रतिनिधियों की मौजूदगी में जेसीबी मशीन की मदद से उस मार्ग को गड्ढा कर अवरुद्ध किया गया, जिसका उपयोग अवैध रेत परिवहन में किया जा रहा था।

उड़ीसा से मध्यप्रदेश लाई जा रही गांजे की बड़ी खेप पकड़ी

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

जबलपुर में न्यू ईयर से पहले अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एसटीएफ ने उड़ीसा से मध्यप्रदेश लाई जा रही गांजे की बड़ी खेप पकड़ी है। कार्रवाई के दौरान 599 किलो गांजा बरामद किया गया, जिसकी बाजार कीमत करीब 1 करोड़ 80 लाख रुपए बताई जा रही है। इस मामले में गुरुवार को पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। सूचना मिलते ही जबलपुर एसटीएफ की टीम गठित की गई, जिसकी कमान डीएसपी संतोष तिवारी को सौंपी गई। टीम को एमपी-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर तैनात किया गया। एसटीएफ टीम छत्तीसगढ़ के बिलासपुर क्षेत्र में जंगलों में डटी रही। उड़ीसा से आ रहा ट्रक जैसे ही बिलासपुर पहुंचा, एसटीएफ की टीम ने करीब 152 किलोमीटर तक उसका पीछा किया।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने फिल्म पुष्पा देखकर तस्करी का यह तरीका अपनाया। इसी तरह के तरीकों से पुलिस को चकमा देने की योजना बनाई गई थी।फिलहाल एसटीएफ तस्करी गिरोह के अन्य सदस्यों और ट्रक मालिक की तलाश में जुटी हुई है।

सौ करोड़ से बुंदेलखंड के पहले 100 सीटर आयुर्वेद महाविद्यालय एवं अस्पताल का निर्माण कार्य प्रारंभ

सागर। दोपहर मेट्रो

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के नाम से 100 करोड़ की लागत से बुंदेलखंड का पहला 100 सीटर आयुर्वेद महाविद्यालय एवं अस्पताल का निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है। गुरुवार को विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने किया निरीक्षण किया। जिले को आयुष एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में बड़ी सौगात मिल रही है। समाधिस्थ आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के नाम से 100 करोड़ की लागत से बुंदेलखंड का पहला 100 सीटर शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं अस्पताल स्थापित किया जा रहा है. जिसका निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका हैं।

विधायक शैलेन्द्र कुमार जैन ने निर्माण स्थल का निरीक्षण कर मध्यप्रदेश भवन विकास निगम के अधिकारियों व ठेकेदार से प्रगति की जानकारी ली और समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्माण के निर्देश

दिए। यह संस्थान 7.50 एकड़ भूमि (तिली माफी क्षेत्र) पर विकसित किया जा रहा है। प्रस्तावित महाविद्यालय में 14 अकादमिक विभाग एवं 100 बिस्तरों का आयुर्वेदिक अस्पताल होगा। पंचकर्म सहित विभिन्न चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। प्रारंभिक चरण में बीएएमएस व अन्य यूजी पाठ्यक्रम, आगे चलकर पीजी पाठ्यक्रम संचालित होंगे। इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार भी उपस्थित रहे। विधायक जैन ने कहा कि यह परियोजना सागर व बुंदेलखंड को आयुष शिक्षा, शोध और उपचार का प्रमुख केंद्र बनाएगी तथा जनस्वास्थ्य को सशक्त करेगी।

मेट्रो एंकर अटल जयंती पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभा

श्रेया और शोभित ने मारी बाजी, 300 विद्यार्थियों ने उकेरी अटल छवि

सागर। दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती पर अटल स्मृति वर्ष के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता एवं कार्यकर्त्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया।

दोनों ही आयोजन अटल पार्क परिसर में आयोजित किए गए प्रथम सत्र में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता दो समूह में आयोजित की गई जिसके समूह अ में आयु 10 से 20 वर्ष और ब 20 से अधिक वर्ष निर्धारित रहीं दोनों समूह में 300 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया प्रतियोगिता में 1 घंटे का समय निर्धारित किया था जिसमें प्रतिभागियों ने अटल जी के अद्भुत व मनभावन चित्र उकेरे। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में हेमंत ताम्रकार फाइन आर्ट क्लासेस, अंकित विश्वकर्मा मूर्ति आर्टिस्ट व स्वाति हलवे कला भवन आर्ट क्लासेस ने विजेताओं की घोषणा की जिसमें समूह अ में प्रथम स्थान शोभित सोनी,द्वितीय स्थान नितिन रैकवार तृतीय स्थान आर्यन साहू ने प्राप्त किया। समूह

ब में प्रथम स्थान श्रेया सोनी,द्वितीय स्थान अभिषेक जैन,तृतीय स्थान खुशी ने प्राप्त किया। विजेताओं को सांसद डॉ. लता वानखेड़े,विधायक शैलेंद्र कुमार जैन,जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी, बीना विधयाक निर्मला सप्रे नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार,पूर्व विधायक सुधा जैन,शहडोल संभाग प्रभारी गौरव सिरोठिया अटल स्मृति वर्ष टोली डॉ. वीरेंद्र पाठक जगन्नाथ गुरैया,चैन सिंह ठाकुर,मनीष चौबे महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष संध्या भार्गव युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अग्रवाल सागर नगर मंडल अध्यक्ष अमित बैसाखिया जिला कार्यालय मंत्री देवेंद्र कटारे व अंत्योदय समिती अध्यक्ष प्रतिभा चौबे प्रतियोगिता प्रभारी नीरज यादव ने मेडल प्रशस्ति पत्र वर्ग अ में पुरस्कार राशि 3100 से 2100 और 1100 वर्ग ब में 5100 से 3100 और 2100 प्रदान कर पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों प्रशस्ति पत्र भेंट किए गए। प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण अटल स्मृति सम्मेलन के दौरान हुआ सम्मेलन में वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. प्रदीप पाठक एवं डॉ.वीरेंद्र पाठक , विधायक शैलेंद्र कुमार जैन, डॉ. लता वानखेड़े व अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने अटल जी के साथ जुड़े संस्मरण साझा किए।

पूर्व क्रिकेटर दिलीप वेंगसरकर की कड़ी टिप्पणी

क्या भारतीय चयनकर्ताओं ने तय कर लिया यशस्वी का व्हाइट-बॉल रोल?

मुंबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल का नाम उस पीढ़ी से जुड़ा है, जिसने रोहित शर्मा और विराट कोहली के बाद तीनों फॉर्मेट में स्थायी जगह बनाने की क्षमता दिखाई है। तकनीक, टेंपो कंट्रोल, शॉट्स की रेंज और मानसिक मजबूती, आधुनिक क्रिकेट की हर कसौटी पर खरे उतरने वाले जायसवाल के बावजूद, व्हाइट-बॉल क्रिकेट में उनका भविष्य अब भी सवालों के घेरे में है। खासकर तब, जब उन्हें आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप की टीम से बाहर रखा गया। पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने चयनकर्ताओं की सोच पर सीधा सवाल उठाया है। उनका मानना है कि

जायसवाल को बार-बार बाहर करना समझ से परे है। वेंगसरकर ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यशस्वी जायसवाल को बार-बार बिना किसी गलती के बाहर किया जा रहा है। वह सभी फॉर्मेट में शानदार फॉर्म में है और मुझे समझ नहीं आता कि टीम में जगह बनाने के लिए उसे और क्या करना होगा।

साल 2024 में टी20 वर्ल्ड कप के दौरान – यनकर्ताओं ने अमेरिका और कैरेबियन की मुश्किल परिस्थितियों का हवाला देते हुए अनुभव को तरजीह दी। नतीजतन, विराट कोहली और रोहित शर्मा को मौका मिला और जायसवाल को बाहर बैठना पड़ा। सात महीने बाद वनडे क्रिकेट में भी यही कहानी दोहराई गई। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए शुरुआती 15 में शामिल होने के बावजूद, मुख्य कोच गौतम गंभीर के चौथे स्पिनर की जिद के चलते जायसवाल को अंतिम टीम से बाहर कर दिया गया।

फॉर्म नजरअंदाज, विकल्प बदले

जब शुभमन गिल को टी20 योजनाओं से हटाया गया, तो जायसवाल की वापसी की उम्मीद थी, लेकिन चयनकर्ताओं ने एक अलग रास्ता चुना। दूसरे विकेटकीपर को ओपनर की भूमिका में उतार दिया गया और ईशान किशन की एंट्री हुई, जिन्हें सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी फाइनल में 49 गेंदों का शतक लगाने का फायदा मिला। यह बात लगभग अनदेखी रह गई कि जायसवाल ने कुछ ही दिन पहले उसी हरियाणा टीम के खिलाफ 230 से यादा के लक्ष्य का पीछा करते हुए 50 गेंदों में शतक जड़ा था।

आंकड़े जो सवाल उठाते हैं

जायसवाल ने आखिरी बार जुलाई 2024 में श्रीलंका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय खेला था। इसके बाद उन्हें टेस्ट क्रिकेट पर फोकस करने को कहा गया, लेकिन उनके टी20 आंकड़े चयन नीति पर सवाल खड़े करते हैं।उनके आखिरी पांच टी20 स्कोर हैं- 93, 12, 40, 30 और 10, वो भी लगभग 200 के स्ट्राइक रेट से। वेंगसरकर का दो टूक कहना है, किसी भी हाल में किसी मैच विनर को टीम से बाहर नहीं रखा जाना चाहिए।

आत्मविश्वास पर असर की चेतावनी

वेंगसरकर ने यह भी चेताया कि लगातार बाहर बैठाना खिलाड़ी के आत्मविश्वास को नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने कहा, अगर किसी खिलाड़ी को यह महसूस कराया जाए कि वह किसी एक फॉर्मेट के लिए जरूरी नहीं है, तो उसका आत्मविश्वास गिरना तय है। यह खेल आत्मविश्वास का है और आत्मविश्वास तभी आता है, जब प्रदर्शन को लगातार समर्थन मिले।

उम्र साथ, लेकिन मौके सीमित

रविवार को 24 साल के होने जा रहे जायसवाल के पास समय जरूर है, लेकिन बार-बार बड़े टूर्नामेंट्स से बाहर रहना किसी भी खिलाड़ी की लय और पहचान पर असर डालता है। खासकर टी20 क्रिकेट में, जहां निरंतरता ही सबसे बड़ी पूंजी होती है।

आकाश चोपड़ा ने चुना विश्व कप स्क्वॉड

12 खिलाड़ियों में शुभमन को फिर नहीं मिला मौका

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने टी20 विश्व कप 2026 के लिए वैकल्पिक भारतीय टीम का चयन किया। हैरानी की बात यह है कि इस टीम में भी शुभमन गिल को शामिल नहीं किया गया है। दरअसल, आगामी विश्व कप के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा चुने गए 15 सदस्यीय स्क्वॉड में भी गिल शामिल नहीं हैं। क्रिकेट विश्लेषकों का मानना है कि खराब फॉर्म के चलते वह टी20 टीम में जगह नहीं बना सके जबकि मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने टीम कॉम्बिनेशन के चलते उन्हें ड्रॉप करने का फैसला किया।

शुभमन गिल का टी20 में हालिया प्रदर्शन लगातार सवालों के घेरे में रहा है। एशिया कप के दौरान टीम में वापसी के बाद से उन्होंने 15 मैचों में सिर्फ 291 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 137.26 रहा है, जिसमें एक भी अर्धशतक या शतक शामिल नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई टी20 सीरीज में भी गिल का बल्ला खामोश रहा और उन्होंने तीन मैचों में सिर्फ 32 रन बनाए, जिससे उनके चयन पर दबाव और बढ़ गया।

संजू सैमसन संभालेंगे ओपनिंग की जिम्मेदारी

टी20 विश्व कप 2026 के लिए चुनी गई टीम में शुभमन गिल को जगह नहीं दी गई। भारतीय प्रशंसकों के लिए यह चौंकाने वाला फैसला था। 26 वर्षीय बल्लेबाज को भारत का अगला तीनों प्रारूपों का कप्तान माना जा रहा था। हाल ही में उन्हें टी20 टीम का उपकप्तान भी बनाया गया था। लेकिन खराब फॉर्म और उपलब्ध विकल्पों को देखते हुए टीम प्रबंधन ने उन्हें पूरी तरह टीम से बाहर करने का फैसला किया। अब ओपनिंग की जिम्मेदारी एक बार फिर संजू सैमसन निभाएंगे, जबकि ईशान किशन को बैकअप विकल्प के तौर पर टीम में शामिल किया गया है।

आकाश चोपड़ा की वैकल्पिक भारतीय टीम

ऋतुराज गायकवाड़, यशस्वी जयसवाल, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत, जितेश शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, क्रुणाल पांड्या, दीपक चाहर, युजवेंद्र चहल, भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, केएल राहुल।

छुट्टी में दो-चार बीयर कोई अपराध नहीं...

एशेज में विवाद के बीच बेन डकेट के समर्थन में उतरे माइकल वॉन

मेलबर्न, एजेंसी

एशेज सीरीज 2025 में इंग्लैंड क्रिकेट टीम पहले ही 3-0 से पीछे चल रही है और टीम का प्रदर्शन उम्मीदों से काफी नीचे रहा है। बल्लेबाजी में सबसे यादा निराश करने वाले नामों में बेन डकेट शामिल हैं, जिनका पहले तीन टेस्ट में सर्वोच स्कोर सिर्फ 28 रन रहा है। इसी बीच मैदान के बाहर इंग्लैंड टीम की नोसा (ह्शश्चह्यड्ड) यात्रा को लेकर विवाद खड़ा हो गया, जहां चार दिन के ब्रेक के दौरान खिलाड़ियों के कथित शराब सेवन पर सवाल उठे।

पूर्व इंग्लैंड कप्तान माइकल वॉन ने इस पूरे मामले में बेन डकेट का बचाव किया है। द टेलीग्राफ में अपने कॉलम में लिखते हुए वॉन ने साफ कहा कि खिलाड़ियों की आलोचना उनके

क्रिकेट के आधार पर होनी चाहिए, न कि इस बात पर कि वे छुट्टी के दिन क्या करते हैं। वॉन ने लिखा, मैं इंग्लैंड टीम की आलोचना नोसा में उनके व्यवहार के लिए नहीं करूंगा। मैं उनकी आलोचना इस बात के लिए करता हूं कि वे मैदान पर क्या कर रहे हैं, कैसे खेल रहे हैं और क्रिकेट की तैयारी कैसे कर रहे हैं। मैं कुछ युवा खिलाड़ियों पर अंगुली नहीं उठाऊंगा जिन्होंने छुट्टी के दो दिनों में कुछ बीयर पी ली।

डकेट को क्या सीखने की जरूरत है?

हालांकि, वॉन ने एक हल्की सी नसीहत भी दी। उन्होंने कहा, फर्क बस इतना है कि मुझे पता होता था कि कब घर लौटना है। शायद यही चीज बेन डकेट को सीखने की जरूरत है। डकेट पर कार्रवाई की मांग को वॉन ने पूरी तरह खारिज किया। उनका मानना है कि यह सिर्फ एक खिलाड़ी या टीम का मुद्दा नहीं, बल्कि क्रिकेट संस्कृति से जुड़ा विषय है। वॉन ने लिखा, जो सबूत हमारे सामने हैं, उनके आधार पर न तो डकेट को और न ही किसी अन्य खिलाड़ी को फटकार लगनी चाहिए। यह एक व्यापक मुद्दा है। क्रिकेट ने खुद एक ड्रिंकिंग कल्चर बनाया है।

सीनियर नेशनल बैडमिंटन

श्रुति मुंडाडा, पारुल, तन्वी पत्री ने प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

विजयवाड़ा। श्रुति मुंडाडा, पारुल चौधरी और तन्वी पत्री ने गुरुवार को 87वीं सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप के महिला एकल प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। श्रुति ने सातवीं सीड जिया रावत को 21-14, 21-9 से हराया, जबकि पारुल ने नौवीं सीड के खिलाफ 18-21, 21-18, 21-12 से जीत दर्ज कर अगले राउंड में जगह बनाई। तन्वी पत्री ने आठवीं सीड इशारानी बरुआ के खिलाफ 22-20, 21-19 से जीत दर्ज की। टॉप सीड उन्नति हुड्डा, दूसरी सीड अनुपमा उपाध्याय, तीसरी सीड अनमोल खरब और विश्व जूनियर रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा भी अगले राउंड में पहुंचीं। पुरुषों के एकल वर्ग में, आर्यमन टंडन ने राउंड ऑफ 32 में तीसरी सीड एम रघु को 17-21, 21-11, 21-14 से हराया।

वहीं अभिनव गर्ग और ऋत्विक संजीवी एस. ने भी बड़े उलटफेर के साथ प्री-क्वार्टर में जगह बनाई। गर्ग ने दसवीं सीड अभिनव ठाकुर को 21-19, 21-16 से हराया, जबकि ऋत्विक ने तेरहवीं सीड ओरिजीत चालिहा को 21-15, 21-19 से हराया। मिश्रित डबल्स इवेंट में, नितिन कुमार और कनिका कंवल ने छठी सीड केविन वोंग सीसी और प्रणवी एन को 23-21, 21-15 से हराया। महिलाओं की टॉप सीड उन्नति, विश्व जूनियर चैंपियनशिप रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा, आकर्षि कश्यप और रौनक चौहान ने बुधवार को अगले राउंड में जगह बनाई थी। उन्नति ने आकांक्षा मट्टे को 21-8, 21-18 से हराया, जबकि तन्वी ने एशियन अंडर-15 महिला एकल स्वर्ण पदक विजेता शाइना मणिमुथु को 21-10, 21-14 से हराया।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

तू मेरी मैं तेरा... कार्तिक-अनन्या की फिल्म में अनोखा है ट्विस्ट

ग्रेट तो नहीं पर दिलचस्प है लव स्टोरी

कार्तिक आर्यन और लव स्टोरीज का रिश्ता थोड़ा कॉम्प्लिकेटेड है। जरूरत से थोड़ा यादा बोलने वाले बॉय-नेक्स्ट-डोर वाला स्टीरियोटाइप भी कार्तिक ने खूब प्ले किया है। इस मामले में तू मेरी में तेरा में तेरा तू मेरी का ट्रेलर कुछ खास एक्साइटिंग तो नहीं लग रहा था। अनन्या पांडे पिछले कुछ टाइम से अच्छा काम कर रही हैं और कार्तिक के साथ उनकी जोड़ी ट्रेलर में ठीक लग रही थी। मगर ये भी तू मेरी में तेरा देखने की पर्याप्त वजह नहीं थी। लेकिन एक बॉलीवुडिया कहानियों में जवान हुआ दिल कितना भी एडल्ट होने की कोशिश करे, लव स्टोरीज के क्यूट और ड्रीमी संसार में मुस्कुराते हुए खोए रहने की तलब खत्म कहां होती है! ऐसी ही तलब में कमाल की सैयारा हाथ लग गई थी। और इसी तलब में तय हुआ कि तू मेरी में तेराज्को भी एक चांस दिया

जाए। कार्तिक और अनन्या फिल्मी क्लीशे में डूबे नामों वाले यंग किरदार हैं? रेहान उर्फ रे और रूमी। मीट क्यूट यानी संयोग से टकराने वाली मुलाकात होती है। रे अपनी मम्मी (नीना गुप्ता) के साथ यूएस में वेडिंग प्लानर है। रूमी के नाम से अगर आपको नहीं पता लगा तो बता देते हैं कि वो राइटर है। पहले 20 मिनट में लड़का बहुत बकबक कर रहा है और फेमिनिम को ताने देने लगा है तो कन्फर्म हो जाता है कि हीरो कार्तिक आर्यन हैं। विदेशों की खूबसूरत लोकेशंस में अपोजिट पर्सनालिटीज का प्यार में पड़ना भी होने लगता है।

टुकड़ों-टुकड़ों में इम्प्रेस करती है फिल्म

प्यार में छत्तीस तरह के पंगे लव स्टोरीज में आपने देखे होंगे। पर 'तू मेरी में तेराज' में पंगा है भूगोल यानी जियोग्राफी। कैसे? ये बता दिया तो स्पॉइलर होगा, इसलिए खुद देखियेगा। सेकंड हाफ की शुरुआत एक शादी की तैयारी से होती है। इंटरवल खत्म होने के थोड़ी देर बाद ही एक मजेदार सीक्वेंस है। फंक्शन में क्लासिक 90S शादी वाले गानों पर घरवाले परफॉर्म कर रहे हैं। इस तरह के सीक्वेंस किसी भी बॉलीवुड लवर को खुश कर सकते हैं। बल्कि, थ्रोबैक और कॉलबैक्स के मामले में 'तू मेरी मैं तेरा' काफी रिच है।

धुरंधर में रहमान डैकत बनकर छाए अक्षय खन्ना, मेकर्स ने गैंगस्टर को किया ग्लोरिफाई?

फिल्म धुरंधर 2025 की सबसे बड़ी फिल्म बन गई है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी मूवी में अक्षय खन्ना ने गैंगस्टर रहमान डकैत का रोल निभाया। इस रोल में अक्षय छा गए। पर्दे पर एक्टर का स्वैग, डांस, एक्शन दिखा। रहमान डकैत के रोल में अक्षय के कुछ हिंसात्मक सीन भी थे। फिल्म में हीरो रणवीर सिंह थे, लेकिन लोगों के बीच अक्षय छा गए।

ऐसे में कईयों ने ये भी कहा कि फिल्म में रहमान जैसे गैंगस्टर के रोल को मेकर्स ने ग्लोरिफाई किया है। लेकिन मूवी में नजर आए एक्टर नवीन कौशिक, जो डोंगा के रोल में दिखे थे, इससे सहमत नहीं हैं। लाइव हिंदुस्तान से बातचीत में नवीन ने बताया कि फिल्म में रहमान के किरदार को महिमामंडित नहीं किया गया। बल्कि उसके सभी पहलू दिखाए गए हैं। नवीन ने कहा- मेरे हिसाब से रहमान डकैत को उतना ग्लोरिफाई नहीं किया गया। एक ऐसा किरदार बनाना पड़ा, ताकि हम दिखा सकें कि हमजा, जो मेन लीड और जासूस है, वो किस तरह के लोगों के बीच गया है। वो किन लोगों के बीच रहकर अपना मिशन पूरा करता है। वो पहाड़, जिसे चढ़कर वो पार करता है, उसे पहले बनाना पड़ता है। रहमान डकैत का किरदार है, उसमें उसका बेटा मर जाता है।। ये दिखाना जरूरी था कि उसके पीछे कितनी गंदगी और वहशीपन है। जब तक उनकी अच्छाई, उनका लुक नहीं स्टैबलिश करोगे, लोग इसे स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने आगे कहा- मुझे लगता है वो जमाना खत्म हो गया जब ओवर-द-टॉप विलेन होते थे।

नए साल में तेज रफ्तार से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था, मजबूत घरेलू खपत से मिल रहा लाभ

मेट्रो बाजार

नई दिल्ली। वैश्विक आर्थिक विकास के स्थिर रहने की उम्मीद के बीच अगले साल भी भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा। गोल्डमैन सैश के अनुसार, 2026 में वैश्विक विकास दर के 2.8 फीसदी रहने का अनुमान है। यह 2.5 फीसदी के आम सहमति अनुमान से अधिक है। यह कई अर्थव्यवस्थाओं में स्थिर महंगाई और आसान मौद्रिक स्थितियों के कारण संभव हो पा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है, टैरिफ में कमी, कर कटौती और आसान वित्तीय स्थितियों के कारण अमेरिका का प्रदर्शन काफी बेहतर रहने की संभावना है। मजबूत घरेलू मांग और अनुकूल संरचनात्मक रुझानों के कारण भारत सहित उभरते बाजारों का प्रदर्शन विकसित देशों से बेहतर रहने की उम्मीद है। इस दौरान भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर लगभग 6.7 फीसदी और 2027 में 6.8 फीसदी रह सकती है। यह आम सहमति के विकास अनुमानों से अधिक है और भारत को तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाए रखता है। गोल्डमैन सैश का अनुमान है कि कमोडिटी की कम कीमतों, बेहतर उत्पादकता और आपूर्ति पक्ष की बाधाओं में कमी से 2026 के अंत तक अधिकांश अर्थव्यवस्थाओं में मूल्य दबाव कम हो जाएगा। इस माहौल से कई उभरते बाजारों के केंद्रीय बैंकों को उदार नीतिगत रुख बनाए रखने या अपनाने की अनुमति मिलने की संभावना है।

लक्ष्य पाने के लिए गैर-जीवाश्म ईंधन क्षेत्र में निवेशकों का बढ़ाना होगा भरोसा

नई दिल्ली। सरकार ने 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित 500 गीगावॉट बिजली उत्पादन क्षमता हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता में सौर, पवन, बायोमास, अपशिष्ट से ऊर्जा और जलविद्युत परियोजनाओं जैसे स्रोत शामिल हैं। उद्योग मंडल फिक्की की ओर से जारी बयान में क्रिसिल के निदेशक (ऊर्जा एवं जिंस) आशीष मित्तल ने कहा, भारत के 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ऊर्जा के लक्ष्य को हासिल करने के लिए राष्ट्रीय एवं राय स्तर का ऐसा समन्वित नियामकीय ढांचा जरूरी होगा, जो निवेशकों को दीर्घकालिक भरोसा दे सके।

मित्तल ने फिक्की के इंडिया पावर एंड एनर्जी स्टोरेज कॉन्फ्रेंस में कहा, निवेश से जुड़े जोखिम कम करने और भारत को जिस पैमाने पर निजी पूंजी की आवश्यकता है, उसे आकर्षित करने के लिए कैप-एंड-फ्लोर (वित्तीय वायदा-विकल्प) तंत्र, परियोजना को व्यावहारिक बनाने के लिए वित्तपोषण (वीजीएफ) और स्टोरेज-एज-ए-सर्विस (क्लाउड कंप्यूटिंग) मॉडल अहम भूमिका निभाएंगे। सरकार को लक्ष्य हासिल करने के लिए इन बातों पर ध्यान देना चाहिए।? एसबीआई के उप प्रबंध निदेशक अशोक शर्मा ने कहा, ऊर्जा भंडारण पूंजी-गहन क्षेत्र है, जिसमें परियोजना लागत का बड़ा हिस्सा बैटरियों का होता है। उन्होंने कहा कि इन परिसंपत्तियों के विशिष्ट जोखिम एवं राजस्व स्वरूप को ध्यान में रखते हुए वित्तपोषण ढांचे को विकसित करने की आवश्यकता है। फिक्की के दो दिन के इस सम्मेलन में नीति-निर्माताओं, नियामकों और उद्योग जगत के शीर्ष अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

15 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद

प्रयागराज — मिनी कुंभ की तैयारी पूरी, 3 जनवरी से संगम तट पर शुरू होगा माघ मेला

प्रयागराज। संगम की धरती पर 3 जनवरी 2026 से माघ मेले की शुरुआत होने जा रही है। महाकुंभ 2025 के बाद आयोजित होने जा रहे माघ मेले को योगी सरकार मिनी कुंभ के तौर पर पेश कर रही है। महाकुंभ में जहां 66 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में आस्था के डुबकी लगाई थी।

वहीं सरकार का अनुमान है कि माघ मेले के दौरान 12 से 15 करोड़ श्रद्धालु आ सकते हैं। श्रद्धालुओं के माघ मेले में आने के बाद उनके स्नान और सकुशल सुरक्षित वापसी के लिए योगी सरकार खास प्रबंध कर रही है। माघ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए 8 किलोमीटर लंबा स्नान घाट बनाया जा रहा है. गंगा और यमुना दोनों नदियों के तट पर अस्थाई घाट बनाए जा रहे हैं. अस्थाई घाट बनाने के लिए सीमेंट की बोरियों में रेत भरकर अस्थाई घाट का निर्माण किया जा रहा है. ताकि स्नान घाटों पर फिसलन की वजह से किसी तरह का कोई हादसा न हो। इसके अलावा स्नान घाटों के आगे डीप वॉटर बैरिकेटिंग भी लगाई जा रही है. ताकि श्रद्धालुओं के गहरे पानी की ओर जाने से किसी तरह का हादसा न हो।

न्यूज विंडो

‘आदमी से जीत सकता हूं, मशीन से नहीं’ : खेसारी लाल यादव

छपरा। खेसारी लाल यादव का एक बयान फिर से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। खेसारी लाल यादव बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में छपरा सीट से आरजेडी के उम्मीदवार थे।बिहार में छपरा सीट से खेसारी को टिकट मिलने के बाद इस सीट की चर्चा पूरे देश में थी। खेसारी लाल यादव ने चुनाव में माहौल भी खूब बनाया। तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव सहित कई नेताओं ने खेसारी के लिए प्रचार भी किया। लेकिन छपरा सीट से खेसारी लाल यादव को निराशा हाथ लगी। खेसारी लाल यादव छपरा सीट से चुनाव हार गए। एनडीए की उम्मीदवार छोटी कुमारी ने खेसारी लाल यादव को हरा दिया। चुनाव परिणाम आने के बाद खेसारी ने छपरा की जनता को धन्यवाद दिया और बताया कि वह राजनीति के लिए बने ही नहीं हैं। अब छपरा सीट पर हार के बाद खेसारी लाल यादव का एक बयान फिर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में खेसारी लाल यादव कह रहे हैं कि उन्हें राजनीति करनी नहीं आती, वह राजनीति में आना ही नहीं चाहते थे, लेकिन परिस्थितियां ऐसी बनी कि उन्हें चुनाव लड़ना पड़ा।

रोहतक में तलाकशुदा महिला का दिनदहाड़े मर्डर

रोहतक। शहर के माता दरवाजा चौक क्षेत्र में वीरवार सुबह ऑनर किलिंग की वारदात सामने आई। 35 वर्षीय ब्यूटी पार्लर संचालिका माया की उसके सगे भाई ने तेजधार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी। घटना सुबह करीब साढ़े दस बजे उस समय हुई, जब माया अपने पार्लर में मौजूद थी। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में ले लिया। जांच में सामने आया है माया की शादी करीब दस वर्ष पहले पंजाब में हुई थी। दंपती की कोई संतान नहीं थी। तीन माह पूर्व माया ने पति से तलाक लिया था। अब माया खोखराकोट क्षेत्र में एक युवक के साथ किराये के मकान में रह रही थी। इसी बात को लेकर उसका भाई जवाला प्रसाद नाराज था व बहन के चरित्र पर संदेह करता था। उसने हत्या की योजना बनाई। पूछताछ में उसने बताया कि बहन किसी युवक संग किराए के मकान में उनसे अलग रहती थी। लोग उसे ताने मारते थे। आरोपित ने पुलिस को कहा वो रोज बेइज्जती नहीं सह सकता था। डीएसपी मुख्यालय रवि खुंडिया ने बताया पुलिस आरोपित को शुक्रवार को अदालत में पेश कर रिमांड पर लेगी।

तेज रफ्तार ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार दोस्तों की मौत

पलवल। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर देवीलाल पार्क के समीप तेज रफ्तार ट्रेलर ने मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी। हादसा इतना भयावह था कि एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। हादसे के बाद आरोपित चालक ट्रेलर को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। कैंप थाना पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में शौलाका गांव के रहने वाले इरशाद के शिकायत दी है कि वह और उसका साथी ईसा बृहस्पतिवार रात कैंप मार्केट से काम निपटाकर घर जाने के लिए सवारी का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने देखा कि उनके ही गांव के दो युवक, मजलिस और मुस्ताक मोटरसाइकिल पर सवार होकर फ्लाईओवर से होडल की तरफ उतर रहे थे।

2026 में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव, क्रिश्चियन आउटरीच की कोशिश

केरल-तमिलनाडु पर बीजेपी की नजर, ईसाइयों को साधने में जुटे

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिसमस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा दोनों ने ईसाई समुदाय से जुड़े दो बड़े कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। 2026 में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं, जिनमें तमिलनाडु और केरल जैसे दो राज्य और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी भी शामिल हैं। इसलिए देश के सियासी गलियारों में यह चर्चा है कि बीजेपी इसी वजह से क्रिश्चियन आउटरीच में जुट गई है, क्योंकि उसे उन राज्यों में अपना राजनीतिक भविष्य चमकाना है, जहां अभी तक उसकी सियासी किस्मत ने साथ नहीं दिया है। ऐसे में यह समझना आवश्यक है कि क्रिसमस के मौके पर ईसाई समुदायों के बीच इस तरह से पहुंचने के मायने क्या हैं, क्योंकि विरोधी बीजेपी को सिर्फ हिंदुत्व की विचारधारा का पैरोकार बताता है।

पहले हम केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में ईसाई आबादी पर गौर कर लेते हैं कि यहां ये चुनावी रूप में कितने अहम हैं। केरल में क्रिश्चियन जनसंख्या 18 प्रतिशत से थोड़ा ज्यादा है और तमिलनाडु, पुडुचेरी में इनकी आबादी 6 प्रतिशत से थोड़ी अधिक है। मतलब, इन तीन राज्यों में ईसाइयों का वोट केरल में ज्यादा प्रभावी है। वहीं तमिलनाडु और पुडुचेरी में भी यह महत्वपूर्ण हैं और जिस भी दल की ओर झुक जाएं, उनकी मदद हो सकती है। लेकिन, तथ्य यह है कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि पीएम मोदी ईसाइयों से जुड़े किसी पर्व या कार्यक्रम का हिस्सा बने हैं।

मोदी, नड्डा क्रिसमस कार्यक्रम में शामिल

पीएम मोदी गुरुवार को दिल्ली में कैथेड्रल चर्च ऑफ रिडेम्पशन के क्रिसमस मॉर्निंग सर्विस प्रेयर और कैरोल्स में शामिल हुए। दिल्ली के बिशप डॉ. पॉल स्वरूप ने इसकी अगुवाई की और इसमें प्रधानमंत्री के लिए भी विशेष प्रार्थना की गई। वहीं जेपी नड्डा नई दिल्ली में क्रिश्चियन हाइयर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित भव्य क्रिसमस समारोह के हिस्सा बने। लेकिन, पिछले एक दशक को देखें तो पीएम मोदी ईसाइयों से जुड़े ऐसे कार्यक्रमों के नियमित भागीदार रहे हैं।

ईसाई नेताओं को मंत्री परिषद में भी जगह

2024 की बात है प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन के घर क्रिसमस डिनर में हिस्सा लिया और फिर कैथोलिक बिशप कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया के कार्यक्रम में भी शामिल हुए। मोदी सरकार में भी आमतौर पर हमेशा ही ईसाई नेताओं का प्रतिनिधित्व नजर आया है। पहले केजे अल्फोंस केंद्रीय पर्यटन मंत्री की भूमिका निभा चुके हैं तो अभी जॉर्ज कुरियन राज्यमंत्री की भूमिका में हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पीएम मोदी कैथोलिक चर्च के नेताओं के साथ संपर्क में रहते आए हैं। जब कोविड-19 के कहर से दुनिया हिली हुई थी, तो 2021 में वेटिकन में वह पोप फ्रांसिस से भी मिल चुके हैं और महामारी और मानवता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कर चुके हैं।

यूट्यूबर और फैंटेसी क्रिकेट इन्फ्लुएंसर अनुराग पर शाही शादी के बाद और गहराई ED की जांच

उन्नाव। उन्नाव के चर्चित यूट्यूबर और फैंटेसी क्रिकेट इन्फ्लुएंसर अनुराग द्विवेदी एक बार फिर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के घेरे में आ गए हैं। मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के बीच दुबई में आयोजित उनकी भव्य डेस्टिनेशन वेडिंग ने एजेंसियों की शंकाओं को और गहरा कर दिया है। ईडी अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और उससे जुड़े धनशोधन के मामलों में उनकी वित्तीय गतिविधियों की गहन जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, नवंबर 2025 में अनुराग द्विवेदी ने अपनी 12 साल पुरानी मित्र तमन्ना से दुबई स्थित क्वीन एलिजाबेथ-2 क्रूज पर शादी की थी। इस समारोह में 130 से अधिक मेहमान शामिल हुए, जिन्हें पांच अलग-अलग फ्लाइट्स से दुबई ले जाया गया। जांच एजेंसी को यह भी पता चला है कि मेहमानों के हवाई टिकट, वीजा, होटल, खान-पान और स्थानीय भ्रमण का पूरा खर्च अनुराग ने स्वयं उठाया था। जिन लोगों के पास पासपोर्ट नहीं थे, उनके पासपोर्ट भी बनवाए गए।अनुराग पहले से ही जांच एजेंसियों की रडार पर थे, लेकिन इस शाही शादी के बाद उनकी मुश्किलें और बढ़ गई हैं। विवाह से पहले हल्दी-मेहंदी जैसे कार्यक्रम हुए और मुख्य विवाह समारोह क्रूज के खुले डेक पर संपन्न हुआ। मेहमानों को 25 से अधिक लग्जरी होटलों में ठहराया गया और बुर्ज खलीफा व दुबई क्रीक जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर कराई गई। कार्यक्रम में शामिल लोगों के अनुसार, प्रति मेहमान करीब दो लाख रुपये तक का खर्च आया।

सेंगर की रिहाई के खिलाफ हाईकोर्ट के बाहर प्रदर्शन, मां बोलीं- दोषी को फांसी हो

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा उन्नाव रेप केस के दोषी पूर्व बीजेपी विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को सशर्त जमानत देने के फैसले के खिलाफ आज हाईकोर्ट के बाहर लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने फैसले की कड़ी निंदा की और न्याय की मांग की। इस बीच पीड़िता की मां ने हाईकोर्ट के फैसले पर गहरा दुख जताया और सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही।

पीड़िता की मां ने कहा, ‘सेंगर की जमानत रद्द होनी चाहिए, हम सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे खटखटाएंगे। हाईकोर्ट से हमारा विश्वास उठ गया है, अगर सुप्रीम कोर्ट में भी न्याय नहीं मिला तो हम दूसरे देश चले जाएंगे, मेरे पति की हत्या करने वाले को तुरंत फांसी दी जानी चाहिए।

कांग्रेस नेता मुमताज पटेल ने हाईकोर्ट के फैसले को बड़ा झटका बताते हुए कहा, ‘यह बहुत बड़ा झटका है, जिस तरह हाईकोर्ट ने तकनीकी आधार पर सेंगर को खुली छूट दे दी। इससे देश में बहुत गलत मिसाल कायम हो रही है, इससे न केवल पीड़िता परिवार का, बल्कि पूरे देश की महिलाओं का विश्वास टूटा होगा।

भ्रामक विज्ञापन पर सरकार सख्त, लगाया लाखों का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार के तहत काम करने वाले सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी भ्रामक विज्ञापन देने के मामले में सख्त हो गया है। अथॉरिटी ने विजन आईएएस (अजय विजन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड) पर 11 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना PSC सिविल सर्विसेज एग्जामिनेशन 2022 और 2023 के नतीजों के बारे में अपनी वेबसाइट पर भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए लगाया गया है। यह कार्रवाई कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट, 2019 के तहत की गई है।

भ्रामक दावे किए थे

CCPA के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, कोचिंग संस्थान ने अपनी वेबसाइट पर ऐसे दावे किए थे जैसे ‘ष्टस्श्व 2023 में टॉप 10 में 7 और टॉप 100 में 79 चयन’ और ‘ष्टस्श्व 2022 में टॉप 50 में 39 चयन ‘। इन विज्ञापनों में सफल उम्मीदवारों के नाम, फोटो और रैंक प्रमुखता से दिखाए गए थे।

हुई जांच तो पता चला

जांच करने पर CCPA को पता चला कि संस्थान ने शुभम कुमार (AIR 1, UPSC CSE 2020) के बारे में यह तो बताया कि उन्होंने कौन सा कोर्स किया था, जैसे कि GS Foundation Batch (Classroom Student) लेकिन, उसी पेज पर उनके साथ दिखाए गए अन्य सफल उम्मीदवारों के बारे में यह जानकारी छिपाई गई कि उन्होंने कौन से कोर्स चुने थे। इस जानकारी को छिपाने से यह गलत धारणा बनी कि बाकी सभी उम्मीदवार भी GS Foundation Batch Classroom Course में ही थे, जबकि ऐसा नहीं था। इसके अलावा, उसी विज्ञापन में संस्थान ने अपने ‘Foundation Course’ का भी ज़ोर-शोर से प्रचार किया था, जिसकी फीस लाखों रुपये है।

मेट्रो एंकर — शाजापुर में बच्ची की मदद को आगे आई पुलिस, 24 घंटे में खोजा

पुलिस अंकल होमवर्क कैसे करूंगी, प्लीज मेरा बैग ढूंढ दो

इंदौर, एजेंसी

शुजालपुर में एक तीसरी कक्षा की बच्ची की पढ़ाई के प्रति लगन और मासूम जिद ने पुलिस को भी भावुक कर दिया। बच्ची का स्कूल बैग ऑटो में छूट गया था, लेकिन उसकी किताबों के प्रति चिंता देखकर पुलिस ने विशेष टीम बनाकर बैग तलाशने का फैसला किया। पूरी मुस्तैदी के साथ कार्रवाई कर पुलिस ने बैग ढूंढ़ निकाला और बच्ची के चेहरे पर मुस्कान लौटा दी।

मामला शुजालपुर मंडी थाना क्षेत्र का है। सरस्वती शिशु मंदिर में पढ़ने वाली तीसरी कक्षा की छात्रा चेरी नायक गुरुवार को मां पूजा, दादी कृष्णा और बुआ रंजना के साथ स्कूल गई थी। घर लौटते समय उसका स्कूल बैग ऑटो में ही छूट गया। घर पहुंचने पर जब बैग नहीं मिला तो चेरी फूट-फूटकर रोने लगी। उसे इस बात की चिंता थी कि उसकी सारी किताबें और वर्कबुक उसी बैग में थीं।

बच्ची ने मांगा पुराना बैग

परिवार ने उसे नया बैग और किताबें दिलाने का भरोसा दिया, लेकिन चेरी नहीं मानी। उसने कहा कि उसे अपना वही बैग चाहिए और इसके लिए पुलिस से मदद लेनी होगी। बच्ची की जिद और पढ़ाई के प्रति लगन देखकर पिता संदीप नायक और दादा अशोक नायक उसे शुजालपुर मंडी थाने ले गए।

बच्ची की बात सुनकर हरकत में आई पुलिस

थाने में चेरी ने खुद एसडीओपी निमिष देशमुख को अपनी परेशानी बताई। उसकी आंखों में आंसू देखकर एसडीओपी ने तुरंत बैग ढूंढ़ने के निर्देश दिए। ट्रैफिक पुलिस की मदद से शहरभर के सीसीटीवी कैमरे खंगालने का काम शुरू किया गया।

बिना नंबर ऑटो बना चुनौती

सीसीटीवी फुटेज में चेरी एक ऑटो में बैठती दिखी, लेकिन ऑटो पर नंबर प्लेट नहीं थी। इसके बावजूद पुलिस ने ऑटो पर लिखे नाम और उसके डिजाइन के आधार पर तलाश जारी रखी। पूछताछ के बाद ऑटो चालक परवेज की पहचान हुई और उससे संपर्क किया गया।

बैग मिलते ही लौटी मुस्कान

परवेज ने बताया कि उसे ऑटो में बैग मिला था, जिसे वह सुरक्षित घर ले गया था। शुक्रवार सुबह वह बैग लेकर थाने पहुंचा। पुलिस ने चेरी को बुलाकर प्यार से उसका बैग सौंपा। बैग पाकर चेरी की खुशी देखते ही बनती थी। उसने पुलिस को थैंक यू कहा।

एसडीओपी निमिष देशमुख ने बताया कि बच्ची की पढ़ाई के प्रति लगन देखकर पूरी टीम ने मेहनत की। परिवार की गुजारिश पर ऑटो चालक को समझाइश देकर छोड़ दिया गया कि आगे से कोई सामान मिले तो तुरंत पुलिस को सौंपे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564